हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

UPHIN50812

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 01, अंकः-314, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, गुरुवार 02 मई 2024

ओ.पी.एस. ने धूमधाम से मनाया अंतरराष्ट्रीय मजदूर ...02

वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी हुए सम्मानित...06

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले,

देश के अंदर नक्सलवाद-आतंकवाद का कारण बनीं कांग्रेस की नीतियां

दस वर्ष में देश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल बना है

सीएम योगी ने कहा कि पिछले दस वर्ष में देश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल बना है। आतंकवाद की जड़ जम्मू-कश्मीर में धारा-370 को पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पूरी तरह समाप्त करते हुए जम्मू-कश्मीर को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा गया। पूर्वोत्तर के रायों के उग्रवाद व अराजकता को नियंत्रित करते हुए उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई। कांग्रेस सरकार भारत की सनातन सभ्यता व संस्कृति को अपमानित व बदनाम करती थी लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में यह दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रही है। भारत का गौरव अब पुनर्स्थापित हुआ है।

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से मुखातिब हुए। महाराष्ट्र दौरे पर जाने से पहले वे कांग्रेस पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है। दुर्भाग्य से आजादी के बाद यह दिशाहीन और आज नेतृत्व विहीन भी हो गया। दिशाहीनता का ही दुष्परिणाम है कि कांग्रेस के तमाम नेताओं ने लगातार भारत की सभ्यता, संस्कृति को कोसने, अपमानित करने और सनातनता को हर प्रकार से बदनाम करने के कुत्सित प्रयास किए हैं। यूपीए सरकार के समय यही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति देखने को मिली थी, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री ने भगवा आतंकवाद के नाम पर भारत की सनातन संस्कृति को अपमानित व दुनिया के सामने बदनाम करने की कुत्सित चेष्टा की थी। हर व्यक्ति जानता है कि कांग्रेस की नीतियां देश के अंदर नक्सलवाद और आतंकवाद का कारण बनीं। सीएम ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है। जम्मू कश्मीर के उग्रवाद-आतंकवाद, पूर्वोत्तर की अराजकता पर भी अंकुश लग गया है। यूपीए सरकार के समय लगभग 17 रायों के 115-120 जनपद ऐसे थे, जो नक्सली हिंसा की चपेट में थे। उस सरकार में आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद से लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं थी, यही कारण था कि देश में अराजकता और अव्यवस्था थी पर अब नक्सलवाद को नियंत्रित कर लिया गया है। देश के एकाध रायों के दो-तीन जनपदों तक यह सीमित हो गया है।

महाराष्ट्र की जनता का आशीर्वाद भी भाजपा व एनडीए को हो रहा प्राप्त

बुधवार को महाराष्ट्र दौरे पर जाने से पहले सीएम योगी ने विश्वास जताया कि महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी जनता मोदी जी को तीसरा कार्यकाल देने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देती है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए पूरे देश में चुनाव लड़ रही है। हमारे नेता मोदी जी हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पूरे देश में सुरक्षा, देश के सम्मान, विकास, गरीब कल्याण कार्यक्रमों को लेकर जो अभूतपूर्व कार्य हुआ है, महाराष्ट्र की धरती छत्रपति शिवाजी महाराज, साहू ही महाराज, महात्मा फूले, सावित्री बाई फूले, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर, वीर सावरकर की धरती है। यह देश को नई दिशा देने वाली धरती है। मेरा विश्वास है कि महाराष्ट्र की जनता का आशीर्वाद भी भाजपा व एनडीए को प्राप्त हो रहा है।

चार जून को जब परिणाम आएंगे तो मोदी जी प्रचंड बहुमत के साथ प्रधानमंत्री बनेंगे

विश्वास है कि कांग्रेस सनातनियों को बदनाम करने, उनके हिस्से पर सेंधमारी करने, जाति-खेमों में बांटने का कुत्सित प्रयास कर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही थी। जनता उस कांग्रेस को पूरी तरह दरकिनार करते हुए मोदी जी के नेतृत्व में फिर एक बार मोदी सरकार के संकल्प के साथ जुड़ रही है। 4 जून को जब 2024-लोकसभा चुनाव के परिणाम आएंगे तो प्रचंड बहुमत के साथ मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उनका तीसरा कार्यकाल भारत की समृद्धि, सुरक्षा, आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। हर भारतवासी के लिए यह गौरव का क्षण होगा।

कांग्रेस उन लोगों के हाथों की कठपुतली थी, जो देश के विभाजन के कारक थे

एक सवाल के जवाब में योगी ने कहा कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति देश के विभाजन का कारण बनी थी। यह दिखाता है कि कांग्रेस नेतृत्व भारत की सनातन संस्कृति व परंपरा को अपमानित और कठघरे में खड़ा करके उन लोगों के हाथ की कठपुतली बनी हुई थी, जो देश के विभाजन के कारक थे। जिन लोगों ने भारत व भारतीयता को हमेशा कोसा है और उसकी अपूर्णीय क्षति की है। कांग्रेस लगातार उनके हाथों में खेलते हुए भारत को अपमानित कर रही थी।

मई में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में इन दिनों प्रचंड गर्मी का कहर जारी है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि आईएमडी के मुताबिक, पूर्वोत्तर-उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में मई में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। दक्षिण राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा, गुजरात में मई में पांच से आठ अतिरिक्त दिन लू चलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में अप्रैल में औसत न्यूनतम तापमान (22 डिग्री सेल्सियस) 1901 के बाद से सबसे अधिक था। इस दौरान तूफान की आवृत्ति औसत से कम रही। इस वजह से पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में तापमान अपेक्षाकृत अधिक था। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अप्रैल में औसत अधिकतम तापमान (31 डिग्री सेल्सियस) 1901 के बाद दूसरी बार सबसे अधिक रहा। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 1980 के दशक से सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान लगातार जारी है।

संक्षिप्त समाचार

पवन खेड़ा ने भाजपा पर जमकर साधा निशाना

रायपुर, एजेंसी। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधते हुए दावा किया कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा मुद्दाविहीन हो गया है। श्री खेड़ा ने यहां स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में इस आशय का दावा किया। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। श्री खेड़ा ने कहा कि भाजपा हिंदू-मुस्लिम, मंगलसूत्र, मंदिर के नाम पर लड़ रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार लोकतंत्र और संविधान को खत्म करना चाहती है। चुनाव आयोग की ओर से 10 दिनों बाद पहले चरण और दूसरे चरण के चुनाव के डेटा जारी करने के सवाल पर श्री खेड़ा ने कहा कि पहली बार ऐसा हो रहा है कि मतदान के आंकड़ों में भारी अंतर आया है। प्रधानमंत्री मोदी के कांग्रेस मेनीफेस्टो में मुस्लिम लीग की छाप होने वाले बयान पर श्री खेड़ा ने कहा कि पूरे घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग का कही नाम नहीं है।

अप्रैल में जीएसटी राजस्व 2.10 लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली, एजेंसी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह चालू वित्त वर्ष के पहले महीने अप्रैल 2024 में पहली बार रिकार्ड दो लाख करोड़ को पार करते हुये 210267 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो अप्रैल 2023 के 187035 करोड़ रुपये की तुलना में 12.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय ने आज मासिक जीएसटी संग्रह के आंकड़े जारी किये जिसके अनुसार रिफंड के बाद अप्रैल 2024 में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 1.92 लाख करोड़ रुपये रहा है जो अप्रैल 2023 के शुद्ध संग्रह से 17.1 प्रतिशत अधिक है। जीएसटी संग्रह में तेजी का रूख बना हुआ है और अप्रैल 2024 लगातार 11 वां ऐसा महीना है।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़ और हिमस्खलन ने मचाई तबाही

बाढ़ एवं सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता प्रभासाक्षी से बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि लोगों को नदी निकायों के पास न जाने की सलाह दी जाती है। स्थानीय लोग दहशत में थे क्योंकि बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे 2014 की बाढ़ की याद ताजा हो गई

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर में बाढ़ जैसी स्थिति है। लगातार बारिश के बाद क्षेत्र में कई स्थानों पर नदियाँ उफान पर हैं और खतरे के स्तर को पार कर गई हैं। हिमालयी क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले 300 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग रामबन क्षेत्र में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और भूस्खलन के कारण लगातार तीसरे दिन बंद रहे। खराब मौसम और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी हिमस्खलन की चेतावनी के मद्देनजर छात्रों की सुरक्षा के लिए एहतियात के तौर पर कई स्कूलों में कक्षाएं निलंबित कर दी गईं। बाढ़ एवं सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता प्रभासाक्षी से बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि लोगों को नदी निकायों के पास न जाने की सलाह दी जाती है। स्थानीय लोग दहशत में थे क्योंकि बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे 2014 की बाढ़ की याद ताजा हो गई। एक स्थानीय ने कहा, ‘हम दहशत में थे और बेहद असहाय महसूस कर रहे थे क्योंकि घाटी में लगातार बारिश हो रही थी, यह 2014 की स्थिति जैसी थी जब बाढ़ ने हमारे घर को डुबो दिया था। एक अन्य स्थानीय ने कहा, वह सो नहीं पा रहे थे क्योंकि पानी का स्तर लगभग खतरे के स्तर को छू रहा था। उन्होंने कहा कि स्थिति को देखना डरावना था क्योंकि नदी खतरे के स्तर से ऊपर बह रही थी। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया है। लगातार बारिश के कारण कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र सड़क मार्ग श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है। श्रीनगर-जम्मू के रामबन इलाके में सड़कों पर धंसने से 50 से ज्यादा घर और कई बिजली टावर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

बनासकांठा में कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री मोदी

400 जीतने वाले 40 पर आ गए, राहुल गांधी को भी दी खुली चुनौती

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के बनासकांठा में कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए उनसे लिखित में देने को कहा कि वे भारत के संविधान को कभी नहीं बदलेंगे और धार्मिक आधार पर आरक्षण नहीं देंगे। उन्होंने कहा, %%मैं कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी) को खुली चुनौती दे रहा हूं कि अगर आपमें हिम्मत है तो घोषणा करें कि आप कभी भी धार्मिक आधार पर कोटा नहीं देंगे और न ही कोटा प्रणाली का दुरुपयोग करके संविधान बदलेंगे। मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनकी मंशा साफ़ नहीं हैं। पीएम मोदी ने कर्नाटक की ओर इशारा करते हुए कहा कि कांग्रेस ने रातों-रात मुसलमानों को ओबीसी घोषित कर दिया और ओबीसी कोटे का एक हिस्सा दे दिया। उन्होंने कहा कि इसे लिखित में दें ताकि आपको भविष्य में जवाबदेह ठहराया जा सके। उन्होंने कांग्रेस से यह भी लिखित में देने को कहा कि आप एससी, एसटी ओबीसी कोटा के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, मैंने इस देश की क्षमता देखी है, जिसके आधार पर मैं अपनी गारंटी देता हूं। मेरी गारंटी खोखले वादे नहीं हैं। वे मेरे अनुभव और भारत की प्रतिभा की समझ से उपजे हैं, जो मुझे विश्वास दिलाता है कि हम क्या हासिल कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि तीसरी बार जब हमारी सरकार बनेगी तो अगले 100 दिन में मुझे क्या करना है- अभी से ही मैंने प्लान तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा के मैदान में आया तो कांग्रेस के पास मुद्दे थे कि ये चाय वाला क्या करेगा... ये मेरी मजाक उड़ाते थे। लेकिन देश ने उनकी इस हरकतों को ऐसा जवाब दिया कि जो कभी 400 सीट लेकर बैठते थे वो 40 सीट पर आ गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे ने गर्व के साथ पूरे मोदी समाज को, पूरे ओबीसी समाज को चोर कह दिया। यही नहीं, ये मेरे माता-पिता को भी भला-बुरा कहने में पीछे नहीं रहे। उन्होंने कहा कि अब 2024 में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ऐसा झूठ लेकर फिर से मैदान में आए हैं- संविधान दिखाते हैं, आरक्षण ले लेंगे... इसका डर दिखाते हैं। यही उनका काम है। देखिएगा... इस बार भी ये पहले से कम सीटों में सिमट जाएंगे। पहले चरण में इंडी गठबंधन पस्त हुआ और दूसरे चरण में पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। अपना हमला जारी रखते बहुए मोदी ने कहा कि ये मोहब्बत की दुकान लेकर निकले थे, लेकिन इन्होंने मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो का कारोबार खोल दिया है। अब चुनाव में उनकी बातें नहीं चल रही।

रसोई गैस सिलेंडर फटने से लगी आग,महिला और तीन बच्चों की जलकर मौत

किशनगंज, एजेंसी। बिहार के किशनगंज जिले के पौआखाली इलाके में एक घर में रसोई गैस के एक सिलेंडर के अचानक फटने के बाद लगी आग में 30 वर्षीय एक महिला और उसके तीन बच्चों की जलकर बुधवार सुबह मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किशनगंज जिले के पौआखाली इलाके के ननकार गांव में एक घर में खाना बनाने के दौरान रसोई गैस सिलेंडर के अचानक फटने से हुए हादसे में चार लोगों की जान जाने पर शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, नीतीश ने इस हादसे को अत्यंत दुखद बताते हुए घटना में घायल हुए लोगों के समुचित इलाज का निर्देश दिया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से मृतक के परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। किशनगंज के जिलाधिकारी तुषार सिंगला ने बताया, मैंने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी विस्फोट के कारण का पता लगाने के लिए घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। जिला प्रशासन एलपीजी सिलेंडर की कंपनी को भी पत्र लिखेगा, ताकि सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी मामले की जांच की जा सके। सिंगला ने कहा कि हाल के दिनों में जिले में एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट की घटनाओं में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पीड़ित परिवार को कानून के मुताबिक हरसंभव सहायता मुहैया कराएगा।

भारत की बड़ी कामयाबी

डीआरडीओ की बनाई पनडुब्बी रोधी मिसाइल का सफल परीक्षण

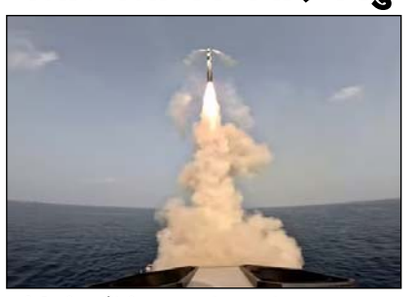

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के मामले में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल भारतीय नौसेना ने पनडुब्बी रोधी मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। भारतीय नौसेना ने बुधवार को ओडिशा में बालासोर के तट पर सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया। बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सुपरसोनिक मिसाइल सिस्टम ने उड़ान भरी। यह अगली पीढ़ी का मिसाइल सिस्टम है, जो लाइटवेट टॉरपीडो डिलीवरी सिस्टम पर आधारित है। इसे डीआरडीओ द्वारा ही डिजाइन और विकसित किया गया है। पनडुब्बी रोधी युद्ध में यह मिसाइल सिस्टम बेहद अहम है। यह मिसाइल लंबी दूरी के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। मिसाइल को युद्धक जहाज के साथ ही तटीय इलाकों से भी लॉन्च किया जा सकता है। यह मिसाइल अपनी अधिकांश उड़ान कम ऊंचाई पर हवा में पूरी करती है और अपने लक्ष्य के नजदीक जाकर मिसाइल से टॉरपीडो रिलीज होकर पानी के भीतर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। कैनिस्टर आधारित इस मिसाइल सिस्टम में कई आधुनिक सब-सिस्टम हैं, जिनमें दो चरणीय सॉलिड प्रोपल्शन सिस्टम, इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्टुएटर सिस्टम , नेविगेशन सिस्टम आदि शामिल हैं। यह सिस्टम एक कम वजनी टॉरपीडो को बतौर पेलोड साथ लेकर उड़ान भरता है, जिसमें पैराशूट आधारित रिलीज सिस्टम होता है। आज के परीक्षण में टॉरपीडो के मिसाइल सिस्टम से अलग होने और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच की गई।

रक्षामंत्री ने दी डीआरडीओ को बधाई

टॉरपीडो एक सिगार के आकार का हथियार होता है, जिसे पनडुब्बी, युद्धक जहाज या लड़ाकू विमान से दागा जा सकता है। यह टॉरपीडो अपने लक्ष्य के संपर्क में आते ही धमाके के साथ विस्फोट हो जाता है। इस मिसाइल सिस्टम के नौसेना में शामिल होने के बाद नौसेना की मेरीटाइम क्षमता काफी बढ़ जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेशी मिसाइल सिस्टम के सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि इससे नौसेना की क्षमताएं बढ़ेंगी।

दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद लखनऊ में भी चला सर्च ऑपरेशन, कुछ नहीं मिला

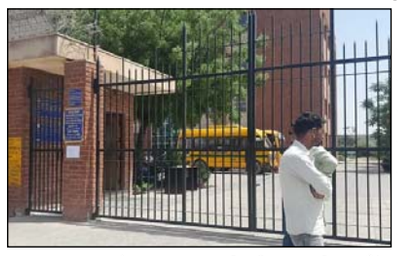

लखनऊ, संवाददाता। दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद लखनऊ के स्कूलों में भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया। शहर के वृंदावन इलाके में एमिटी स्कूल से बच्चों को बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस व बम स्क्वायड की टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि हमें कोई धमकी नहीं मिली है। यह एहतियात के तौर पर किया गया है। एसीपी कैंट पंकज सिंह में बताया कि स्कूल की दिल्ली शाखा से मेल आया था। बम निरोधक दस्ते से चेकिंग कराई गई, सब सामान्य है। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के उप निदेशक चंद्रशेखर वर्मा ने कहा कि एमिटी इंटरनेशनल स्कूल वृन्दावन को किसी भी माध्यम से परिसर में बम होने की कोई धमकी नहीं मिली है। चूंकि दिल्ली एनसीआर स्थित स्कूल परिसरों में बम की अफवाह थी, इसलिए स्कूल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पुलिस को स्कूल परिसर में बुलाकर नियमित सुरक्षा जांच करवाई। दिल्ली-एनसीआर के 100 से अधिक स्कूलों को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिलने के बाद खलबली मच गई। दिल्ली के कई नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। डीपीएस, मदर मैरी स्कूल और संस्कृति स्कूल जैसे नामी स्कूलों को धमकी दी गई।

चुनाव आयोग को मिली सफलता

ग्रेट निकोबार की शोम्पेन जनजाति ने संसदीय चुनाव में पहली बार किया मतदान

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि उसका ध्यान विशेष रूप से उन कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर है, जो मतदान प्रक्रिया का लाभ उठा रहे हैं। इन समूहों को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा किए गए विशेष प्रयासों में सफलता भी मिली है। आदिवासी समूहों ने मौजूदा लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में मतदान करने के लिए उत्साह दिखाया है। बताया कि ग्रेट निकोबार की शोम्पेन जनजाति ने पहली बार इस लोकसभा चुनाव में मतदान किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, भारत में 8.6 प्रतिशत आदिवासी आबादी है, जिसमें 75 समूह शामिल हैं, जो पीवीटीजी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि पहले से दुर्गम क्षेत्रों में मतदान केंद्र स्थापित करने का लाभ मिला है, जिसके चलते दुर्गम क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कमजोर जनजातीय समूहों को मतदान प्रक्रिया में शामिल किया जा सका है। चुनाव आयोग के अनुसार, पिछले 11 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान 14 आदिवासी समुदायों से करीब 9 लाख पात्र मतदाता थे। चुनाव आयोग के विशेष प्रयासों के चलते इन राज्यों में आदिवासी समूहों का 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित हो सका।

अमेठी-रायबरेली के उम्मीदवारों के नाम 24 घंटे में कर देंगे तय: कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अमेठी और रायबरेली संसदीय क्षेत्र के लिए उम्मीदवारों के नाम अगले 24 से 30 घंटे के भीतर तय कर दिए जाएंगे। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान सवालों के जवाब में कहा कि उम्मीदवार तय करने में देरी नहीं हुई और अगले 30 घंटे में दोनों सीटों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर देंगे। वह जल्द से जल्द रायबरेली तथा अमेठी के लिए उम्मीदवारों का चयन कर दें और मुझे लगता है 24 घंटे के अंदर कांग्रेस अध्यक्ष अमेठी और रायबरेली के लिए उम्मीदवारों की चयन की घोषणा कर देंगे।

एक्सपर्ट्स कोवीशील्ड के साइड इफेक्ट जांचें-सुप्रीम कोर्ट में याचिका

कहा- वैक्सीन लगाने से किसी को गंभीर नुकसान पहुंचा, तो सरकार उन्हें हर्जाना दे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड की जांच के लिए एक याचिका दाखिल की गई। इसमें कहा गया है कि कोवीशील्ड के साइड इफेक्ट्स की जांच करने के लिए एक्सपर्ट पैनल बनाने का निर्देश जारी किया जाए। याचिका एडवोकेट विशाल तिवारी ने लगाई है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगाने के बाद किसी को नुकसान पहुंचा तो उन्हें हर्जाना देने का सिस्टम बनाया जाए। भारत में सबसे पहली कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड है। इसे पुणे की सीरम इंस्टीट्यूट ने बनाया है। कोवीशील्ड फॉर्मूला ब्रिटिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका से लिया गया है। एस्ट्रेजेनेका ने अब ब्रिटिश अदालत में माना है कि उनकी वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हैं। कहा- कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है। एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटिश अदालत में माना है कि उसकी वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हैं। हालांकि ऐसे केसेस बेहद दुर्लभ हैं। इसके बाद भारत में कोवीशील्ड की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई। वजह- कोवीशील्ड भी एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले पर बनी है। कोवीशील्ड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए मेडिकल एक्सपर्ट्स का पैनल बनाने के निर्देश जारी किए जाएं। इस पैनल में एम्स दिल्ली के एक्सपर्ट भी हों। पैनल की अध्यक्षता एम्स के डायरेक्टर करें और जांच की निगरानी का जिम्मा सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज के पास हो। एक्सपर्ट पैनल इस बात की जांच करे कि कोवीशील्ड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स हैं क्या? अगर हैं तो वो कितने गंभीर हैं?

ओ.पी.एस. ने धूमधाम से मनाया अंतरराष्ट्रीय मजदूर

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता कन्हैया कुमार सिंह

जमुई – सीबीएसई मान्यता प्राप्त प्रसिद्ध निजी शिक्षण संस्थान ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल और ऑक्सफोर्ड जूनियर इंटरनेशनल स्कूल ने संयुक्त रूप से पाठशाला परिसर में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस धूमधाम से मनाया। विद्यार्थियों ने मजदूरों के महत्व को प्रकट करते हुए नुक्कड़ नाटक पेश किया। सम्मान के रूप में विद्यार्थियों द्वारा सहायक कर्मचारियों का आभार प्रकट किया गया तथा उन्हें सम्मानित करते हुए उपहार भेंट किए गए। मौके पर पाठशाला की पुत्रियों ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी लोगों का मन मोह लिया। इन गतिविधियों में सभी विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। स्कूली बच्चों ने विद्यालय के सहायक कर्मचारियों , ड्राइवर व माली का धन्यवाद किया और उनके प्रति हृदयतल से आभार जताया। कार्यक्रम उल्लास और उमंग के वातावरण में संपन्न हुआ। निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि मेहनतकश देश–दुनिया की रीढ़ हैं। इनके बिना निर्माण की कल्पना अधूरी है। मैं इनके श्रम को बारंबार सलाम करता हूं। उन्होंने मौके पर छात्रों को उनकी भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें मजदूर दिवस के महत्व की जानकारी दी। निदेशक ने कहा कि सभी जनों को मजदूर वर्ग की मेहनत और समर्पण का सम्मान व सराहना करना चाहिए। हर निर्माण कार्य में मजदूर की भूमिका अहम होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को मजदूर दिवस के महत्व के बारे में बताया कि हर वर्ष एक मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। एक मई का दिन दुनिया के मजदूरों और श्रमिक वर्ग को समर्पित होता है। उन्होंने बताया कि कोई भी कर्मचारी छोटा या बड़ा नहीं होता है। हमें सब के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए। निदेशक ने मेहनतकशों के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। प्रसिद्ध समाजसेवी विजय नंदन सहाय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस की शुरुआत ०1 मई 1886 को अमेरिका में हुई। लेकिन धीरे–धीरे यह दिवस कई देशों में मनाया जाने लगा। यहां मजदूर दिवस का मतलब सिर्फ मजदूरों से नहीं बल्कि हर उस शख्स से है जो नौकरी करता है। मजदूर दिवस का महत्व पूरी दुनिया के लिए खास है क्योंकि इस दिन से ही कुछ ऐसे बदलाव हुए जिससे पूरी दुनिया के नौकरी पेशा लोगों के जीवन को सुविधाजनक बना दिया। उन्होंने कहा कि मजदूर दिवस का मकसद यह है कि मजदूरों की उपलब्धियों का सम्मान किया जाए और हक की लड़ाई लड़ते हुए अपनी जान गंवाने वाले लोगों के योगदान को याद किया जाए। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के मुख्य संरक्षक डॉ. निरंजन कुमार ने कहा कि मजदूरों के हक और अधिकारों की आवाज को हमेशा बुलंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिलचिलाती धूप , कड़ाके की ठंड तथा मूसलाधार बारिश में भी बिना रुके , बिना थके काम में लगे रहने वाले कठोर परिश्रमी मजदूरों के जीवन से प्रेरणा लेने की हम सभी को आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज व देश निर्माण में जितना सहयोग इंजीनियर , डॉक्टर , शिक्षक , वैज्ञानिक समेत तमाम शिक्षित वर्ग का है उतना ही मजदूरों का भी है। डॉ. कुमार ने उन्हें लेबर नहीं अपितु क्रियेटर की संज्ञा दी। सचिव कुसुम सिन्हा , प्राचार्य ऋतुराज सिन्हा , विदुषी शिक्षिका प्रेमलता , सिमांतनी जाना हाजरा , रंजना कुमारी , शबनम , विद्वान शिक्षक अभिषेक कुमार , ब्रजेश कुमार , सचिन ठाकुर आदि ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया और इसे भव्यता प्रदान की। स्कूल की बिटिया एंजेलिका और श्रृष्टि राज ने समारोह का मंच संचालन किया और खूब तालियां बटोरी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं कर्मी उपस्थित थे।

शत-प्रतिशत मतदान को लेकर नैमिष की पावन धरा से संतों ने भरी हुंकार

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर – अट्ठासी हजार ऋषि मुनियों की पावन तपो भूमि नैमिषारण्य में संत महंतो का आशीर्वाद लेकर विश्व हिन्दू परिषद ने आज शत प्रति शत मतदान करने के लिए रैली निकाली। उन्होंने कहा कि इस समय लोकतंत्र का महापर्व चल रहा है ।उसी क्रम में विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने संतो के निर्देशन में संत प्रवचन यात्रा अवध प्रान्त से एक मई से दस मई तक निकालेगा । इस यात्रा के दौरान अवध प्रान्त के सभी जिलों में संत प्रवचन करेंगे और विभिन्न लोकसभा सीटों के अन्तर्गत आने वाले गांवों में जायेगे।समाज में अपने प्रवचनों के माध्यम से राष्ट्रहित में मतदान हो व शतप्रतिशत मतदान करने का संकल्प दिलाएंगे।देवेंद्रानन्द सरस्वती महाराज,श्री श्री 1०8 महंत नारायण दास महाराज,वनगढ़ आश्रम संतोष दास खाकी महाराज व प्रांतीय मार्गदर्शन मण्डल के सदस्य महंत प्रीतम दास,बड़ा हनुमान मंदिर मछरेहटा सनातनी बाबा आत्मप्रकाश व विश्व हिन्दू परिषद क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र,प्रान्त धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख विमल मिश्र,जिला प्रचारक पंकज , नगर कार्यवाहक सचिन,प्रान्त सह संयोजक बजरंगदल महेंद्र,जिलाध्यक्ष हरदोई आशीष माहेश्वरी जिला मंत्री गौरव व अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर राम चरणदास,सरोज दीदी,विद्यानंद सरस्वती, सुरेशानंद, बालक राम दास,राम अटल दास समेत सैकड़ों संतो ने नैमिषारण्य से यात्रा निकाल कर कार्यक्रम की शुरुआत कर दी है।

मणिपुर,महिला पहलवानों के बाद कर्नाटक सेक्स स्कैंडल पर मोदी की चुप्पी क्यों? - शिव प्रकाश सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

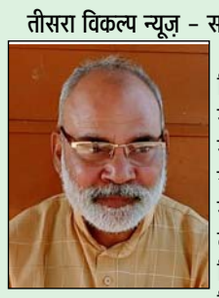

सीतापुर – यह कैसी विडम्बना है कि खुद को विश्व गुरु की उपाधि से नवाज रहे प्रधानमंत्री मोदी अपने अब तक के दस वर्षों के कार्यकाल में मां बहन और देवियों की उपाधि से सम्मानित समाज में पचास प्रतिशत की हिस्सेदार महिलाओं के शोषण पर मौन क्यों धारण कर लेते हैं। यह बात राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश प्रभारी किसान मंच शिव प्रकाश सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कही।उन्होंने कहा कि हम सभी देशवासियों का दुर्भाग्य है कि देश के सर्वोच्च पद पर एक ऐसे जिम्मेदार को बिठा रखा है जो सत्ता सुख और निजी स्वार्थो के अलावा जनहित के सभी मुद्दों पर न सिर्फ नकारा सिद्ध हुआ है, बल्कि अपने क्रियाकलापों से समूचे विश्व में भारत की किरकिरी कराने में लगा हुआ है।मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए दुर्व्यवहार के अलावा उन्हें सड़कों पर नंगा घुमाने वाले लोगों के विरुद्ध कोई कार्यवाही न होने की बात तो अलग है बल्कि वहां पहुंच कर संवेदना व्यक्त करना भी उचित नहीं समझा।अपने पराक्रम से देश का नाम रोशन कर पदक हासिल करने वाली महिला पहलवानों द्वारा अपने शोषण के विरुद्ध उठाई गई आवाज और आंदोलन में उन सभी को धरना स्थल से किस तरह से प्रताणित कर खदेड़ा गया था यह सभी देशवासियों के अलावा समूचे संसार को पता है।और अब कर्नाटक में देश के सर्वोच्च प्रधानमंत्री पद का दायित्व निभा चुके देवगौड़ा के पौत्र का नाम उजागर हुआ काला कारनामा जो खुद सांसद हैं, हजारों महिलाओं के यौन शौषण का वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल कर रहा था।खुलासा होने पर मोदी के संरक्षण में वर्तमान लोकसभा चुनाव प्रत्याशी तौर पर स्वयं प्रधानमंत्री उसके चुनाव प्रचार में अपने नाम पर उसे वोट देने की गुहार लगा रहे हैं।

विद्या भारती का पहला स्कूल ऑन व्हील्स रवाना किया गया मणिपुर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता पंकज नाथ

असम - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड (एसबीआईएमएफ) के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत प्रदान किए गए फंड के माध्यम से कार्यान्वित मोबाइल स्कूल (स्कूल ऑन व्हील्स) नामक एक बस को गुवाहाटी के भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय मुख्यालय से झण्डा फहरा कर मणिपुर के लिए कल रवाना किया गया था । इस कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक विंसेंट एमडी, नेडफि के निदेशक पीवीएल कृष्णमूर्ति, भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय मुख्यालय के कई अधिकारीगण, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. केएन रघुनंद, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के सचिव डॉ. जगदींद्र रॉय चौधरी , शिशु शिक्षा समिति, असम के महासचिव कुलेंद्र कुमार भगवती और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। डॉ. जगदींद्र रॉयचौधरी ने सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति भारतीय स्टेट बैंक की प्रतिबद्धता की सराहना की और पूर्वोत्तर के दूरदराज के इलाकों में रहने वाली भावी पीढ़ियों को शिक्षा के प्रकाश से आलोकित करने के लिए निरंतर सहयोग की आशा व्यक्त की। नेडफि के निदेशक पीवीएल कृष्णमूर्ति और भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक विंसेंट एमडी ने अपने-अपने भाषण में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रयासों की सराहना की। गौरतलब है कि इस खूबसूरती से निर्मित स्कूल ऑन व्हील्स बस में शिक्षा के लिए उपयुक्त किताबों के अलावा कंप्यूटर लैब, डिजिटल शिक्षा प्रणाली, पुस्तकालयों, विभिन्न शिक्षण सामग्री, खेल सामग्री आदि की अच्छी व्यवस्था की गयी है। बस मणिपुर राज्य के प्रभावित क्षेत्रों में छात्रों की शिक्षा में विशेष योगदान देगी, विशेष रूप से आश्रय शिविरों में इससे छात्राओं को काफी लाभ होगें।

स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित की गई महिला खेलकूद प्रतियोगिता

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर – लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2०24 में जनपद सीतापुर का मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कार्य क्रम के अन्तर्गत महिला मतदाताओं को जागरूक करने के लिए महिला खेलकूद प्रतियोगिता मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अनुज सिंह ने सभी को शत प्रतिशत मतदान कराने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बुलावा टीमों के माध्यम से अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस बूथ पर सर्वाधिक मतदान होगा, वहां की सहयोगी टीम को पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि मतदान के महत्व को सभी को अवगत कराते हुए अधिक से अधिक मतदान हेतु प्रेरित करें। मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन उसके उद्देश्य पर चर्चा की गई तथा चुनाव में नारी शक्ति की महत्ता को रेखांकित किया गया। उन्होंने प्रतियोगिता का आनंद लिया और सभी का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजन जिला व्यायाम शिक्षक राज शर्मा द्वारा किया गया। शटल दौड़ प्रतियोगिता में बेसिक शिक्षा विभाग की आरती प्रजापति अपूर्वा पांडे शगुफ्ता इकबाल रचना पांडे प्रतिभा यादव प्रथम स्थान पर रहीं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की कल्पना मिश्रा रंजन टंडन नीतू भार्गव सारिका सेठ पूनम कनौजिया तृतीय स्थान पर रहीं तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एन. आर.एल.एम. की कुसुम लता, अर्चना, राजकुमारी, कंचन मिश्रा, रेखा तृतीय स्थान पर रहीं। पासिंग द बॉल प्रतियोगिता में बेसिक शिक्षा विभाग की वंदना तिवारी, रंजन मिश्रा, शैली सिंह, अर्चना, संगीता, प्रिया पांडे, अस्मिता सिंह, बबीता दुबे, इति श्रीवास्तव, सोनल वर्मा प्रथम रहीं। द्वितीय स्थान पर एन.आर.एल.एम. की विनम देवी, ललित गुप्ता, रेखा, संगीता यादव, वैशाली देवी,सुनीता देवी, रीना देवी, सरिता, शारदा, नेहा पांडे द्वितीय स्थान पर रहीं। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की रंजना टंडन, सारिका सेठ, कल्पना मिश्रा, पूनम कनौजिया, नीतू भार्गव, सुमन कुमारी, पद्दू कुमारी, नर्मदा अवस्थी, राम श्री, नीलम पांडे द्वितीय रही। हॉकी ड्रिबलिंग प्रतियोगिता में जूही उपाध्याय,प्रीति पांडे, प्रीती बारी, शुची सिंह, मोनिका गुप्ता प्रथम रही व एन.आर.एल.एम.की अदीब, भानु, सरस्वती, रेनू वर्मा, सरिता, प्रिया सिंह द्वितीय रही तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार की पूनम राजवंशी, शोभा देवी, अरुण लता, नीलम पांडे, शशि विजय तृतीय रही। मेकअप प्रतियोगिता में बाल विकास परियोजना की कल्पना मिश्रा, नीतू भार्गव, रंजना टंडन, पूनम कनौजिया, सारिका सेठ प्रथम एन.आर.एल.एम. की अंजनी राजवंशी,प्रिया तिवारी,अंजली देवी,पूजा,विनीता द्वितीय रही तथा बेसिक शिक्षा विभाग की प्राची सिंह चौहान, रूपाली, धवन, श्रुति पांडे, अवंतिका गुप्ता, कल्पना वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में बेसिक शिक्षा विभाग की शुची मिश्रा प्रथम अपर्णा परदेसी द्वितीय एन. आर.एल.एम.की पम्मी देवी तृतीय रहीं। प्रतियोगिता में प्रमोद दीक्षित, लौंग श्री यादव,प्रदीप तिवारी, चंद्रभूषण, प्रदीप वर्मा, अंकिता सिंह, धीरेन्द्र, संतोष, जय प्रताप, पंकज आदि ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

एक सौ नवासी लाख कु. पच्चिस किलो गन्ने की पेराई कर सत्र 2023- 24 हेतु चीनी मिल के गन्ने पेराई कार्य का हुआ समापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर – जिले की आदर्श नगर पंचायत हरगांव में प्रसिद्ध बिड़ला ग्रुप की अवध शुगर एण्ड एनर्जी प्रा. लि. हरगांव ने वर्ष 2023–24 में किसानों का 189.25 लाख कु.गन्ने की खरीद कर पेराई करते हुए वर्ष 202 3–24 के लिए अन्तिम रूप से बंद कर दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीतापुर जनपद के कस्बाहर गांव में प्रसिद्ध बिड़ला ग्रुप की अवध शुगर एण्ड एनर्जी प्रा. लि. हरगाँव के पेराई सत्र का सोमवार की रात्रि में समापन हो गया। पेराई सत्र 2023–24 हेतु चीनी मिल ने तीन नवंबर 2023 को पेराई कार्य का शुभारंभ किया एवं दिनांक 29 अप्रैल 2024 को रात्रि 11ः00 बजे संपूर्ण क्षेत्र के पेराई योग्य गन्ने की पेराई कर सत्र का समापन कर दिया। चीनी मिल द्वारा 179 दिन189.25 लाख कुंतल करने की पेराई की गई है। गत वर्ष समय से वर्षा न होने एवं माह जनवरी फरवरी मे वर्षा न होने से इस बार औसत पैदावार कम थी। चीनी मिल के अधिशाषी उपाध्यक्ष(गन्ना) शरद सिंह ने किसानो से अपील की है कि अपने पौधे और पेड़ी के खेतों मे समय समय पर सिचाई खाद एवं दवा जिसकी जरुरत हो उसे चीनी मिल अधिकारी से सलाह लेने के बाद ही क्रय करे। अनावश्यक रुप से दवाओं का प्रयोग न करे। आगामी पेराई सत्र 2024–25 हेतु गन्ना सर्वे प्रारम्भ हो चुका है। सभी कृषक बंधु अपने खेतों पर रहकर अपने गन्ने का त्रुटिरहित सर्वे अवश्य करवा लें।

असम के कामरूप जिले में राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की समीक्षा बैठक सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता पंकज नाथ

असम – लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण से पहले असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने आज बुधवार को गुवाहाटी और बारपेटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत कामरूप निर्वाचन जिले का दौरा किया और जिले की चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। कामरूप जिले के एकीकृत आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कामरूप जिला आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कीर्ति जल्ली, जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता, जिला परिषद सीईओ अर्प बगलारी, पुलिस अधीक्षक रंजन भुइयां, अतिरिक्त जिला आयुक्त (निर्वाचन) कमल बरुआ सहित विभिन्न चुनाव प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारियों की उपस्थिति में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्ट्रांग रूम मैनेजमेंट, वेबकास्टिंग, जीपीएस सिस्टम, ईवीएम प्रबंधन, पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान, घर से मतदान आदि जैसे निर्वाचन से जुड़े पहलुओं की समीक्षा की। कामरूप निर्वाचन जिले में मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आज की बैठक में कुछ सुझाव दिए जैसे कि किसी भी प्रकार की शिकायत का सक्रिय समाधान, मतदान के दिन किसी भी कारण से मतदान देर तक जारी रहने पर उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए सुझाव दिए । मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आज स्ट्रांग रूमों, ईवीएम को चालू करने के साथ–साथ मतदान सामग्री के वितरण के लिए डिज़ाइन किए गए काउंटरों का निरीक्षण किया। समीक्षा बैठक में असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी कार्यक्रम के तहत कामरूप चुनावी जिले द्वारा तैयार मतदाता जागरूकता से संबंधित एक वीडियो जारी किया और 卐पोलिंग स्टेशन एट योर फिंगरटिप्स卐 नामक एक वेबसाइट लॉन्च की। वेबसाइट को कामरूप चुनावी जिले द्वारा मतदाताओं की सुविधा और मतदान प्रक्रिया में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है और यह मतदान केंद्रों के मतदाता विवरण जैसे मतदान केंद्रों की दूरी, मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए आवश्यक अनुमानित समय, मौसम की जानकारी होने के साथ–साथ आप मतदान केंद्र का एडवांस वीडियो भी देख सकते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने वर्चुअल रियलिटी तकनीक का उपयोग करके मतदान का अनुभव प्रदान करने के लिए कामरूप इलेक्टोरल डिस्ट्रिक्ट द्वारा किए गए कार्यक्रम की भी सराहना की। बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त नित्य विनोद वारी, चंदना बरुआ, निर्वाचन अधिकारी मानस ज्योति बोरा और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सिमुलतला आवासीय विद्यालय के प्राचार्य निलंबित कई डीईओ और डीपीओ का भी वेतन रोका

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता कन्हैया कुमार सिंह

जमुई - शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने सिमुलतला आवासीय विद्यालय पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित स्कूल के प्राचार्य को निलंबित कर दिया है। इतना ही नहीं इसके साथ-साथ उन्होंने बिहार के कई जिला शिक्षा पदाधिकारी और डीपीओ पर भी बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने पदाधिकारी द्वय के वेतन पर रोक लगा दी है। शिक्षा विभाग ने जमुई स्थित सिमुलतला आवासीय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजीव रंजन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके निलंबन के उपरांत विद्यालय के उप प्राचार्य को प्रभारी प्राचार्य की जिम्मेदारी दी गई है। माध्यमिक शिक्षा के निदेशक सह सिमुलतला आवासीय विद्यालय के कार्यकारिणी समिति के सदस्य सचिव कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने यह आदेश निर्गत किया है। उधर अंतःपुर के नारद मुनि बताते हैं कि बीते साल केके पाठक ने सिमुलतला आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया था। उन्होंने इस दरम्यान गाइडलाइंस के अनुरूप विद्यालय का संचालन नहीं किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई थी। इधर पाठक ने बीपीएससी द्वारा नियुक्त लगभग एक हजार शिक्षकों के वेतन भुगतान नहीं होने पर भी गंभीर चिंता प्रकट की है। शिक्षा विभाग ने सख्त निर्णय लेते हुए अगले आदेश तक जिला शिक्षा पदाधिकारी और डीपीओ के वेतन को रोकने का आदेश जारी किया है। यह आदेश जारी होते ही जिला शिक्षा पदाधिकारियों और डीपीओ में हड़कंप मच गया है। विभाग का कहना है कि पहले उन सभी शिक्षकों का वेतन भुगतान हो , उसके बाद ही जिला शिक्षा पदाधिकारी और डीपीओ के वेतन का भुगतान होगा।

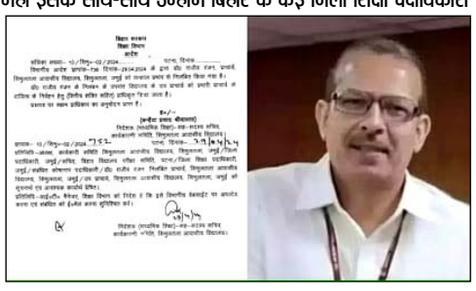

नव पदस्थ जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने संभाला पदभार गुणवत्ता युक्त शिक्षा पर रहेगी नजर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता कन्हैया कुमार सिंह

जमुई - नव पदस्थ जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) राजेश कुमार ने जिला शिक्षा कार्यालय में 01 मई को पदभार ग्रहण किया। मौके पर शिक्षा विभाग के कई अधिकारी मौजूद थे। नए डीईओ का जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद कुमार ने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि जिले की शिक्षा व्यवस्था में सुधार उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।गुणवत्ता युक्त शिक्षा पर खास नजर रहेगी। इसके लिए रचनात्मक पहल किया जाएगा। विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य से बातचीत होगी। कम संसाधनों में बेहतर शिक्षा देने की हर संभव कोशिश की जाएगी। त्वरित ढंग से लंबित प्रकरणों का निपटारा किया जाएगा। नव पदस्थ डीईओ ने हर तबके के लोगों से यथोचित सहयोग की अपील की। उधर राज्य उद्घोषक डॉ. निरंजन कुमार , ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिन्हा , निवर्तमान जिला साक्षरता सचिव सह साक्षर भारत के मुख्य कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नंदकिशोर प्रसाद यादव , बरहट प्रखंड के प्रखंड साधन सेवी सह सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक नूनेश्वर यादव , सहायक शिक्षक अनिल कुमार आदि गणमान्य लोगों ने नव पदस्थ डीईओ से शिष्टाचार मुलाकात की और उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की। अंकित करने वाली बात है कि नए डीईओ इससे पूर्व बिहार राज्य संस्कृत शिक्षा बोर्ड के सचिव पद पर कार्यरत थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने बोर्ड का कायाकल्प कर दिया जो इनकी उपलब्धियों में शामिल है। बिहार के शिक्षा जगत में इनकी कर्तव्य निष्ठा की खूब चर्चा है। शिक्षा विभाग से हटकर वे पत्रकारिता के मर्मज्ञ हैं। सरकारी सेवा से पूर्व प्रतिष्ठित अखबार में समाचार लेखन का कार्य करते थे। उन्हें पत्रकारिता का एनसाइक्लोपीडिया कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि नव पदस्थ जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार कई साल पूर्व जमुई जिला में विभाग के डीपीओ पद को सुशोभित कर चुके हैं। तब भी जमुई में इनके बेहतर कार्यों की खूब चर्चा हुई थी।

कस्बा मिश्रित के नारदानंद आश्रम परिसर में सम्पन्न हुआ महिला मोर्चा सम्मेलन

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर – मिश्रित लोकसभा क्षेत्र के कस्बा मिश्रित में आज नारदानंद आश्रम परिसर में महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद पूर्व राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधान मंत्री मोदी की योजनाओं की जानकारी दी । उन्होने विश्वास दिलाया कि नारी सशक्तिकरण को लेकर प्रधान मंत्री काफी गम्भीर हैं इस हेतु वह कई योजनाएं चला रहे है। उन्होने मोदी के हांथ मजबूत करने के लिए कमल के फूल का बटन दबाकर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अशोक कुमार रावत को भारी मतों से जिताने की अपील की।आयोजित कार्य क्रम में सीतापुर नगर पालिका परिषद अधक्ष नेहा अवस्थी ने भी सम्बोधित किया । लोक सभा प्रभारी पूजा मिश्रा ने सभी को सम्बोधित करते हुए आगामी 13 मई को भारी मतों से कमल के फूल को खिलाने की बात कही। इस मौके पर मिश्रित क्षेत्र की रजनी सिंह,सरोज शुक्ला,कमलेश कुमारी , कुसमा,राजेश्वरी,नीलम,सविता,आरती सहित लग भग नौ महिलाओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आयोजित कार्यक्रम में विधायक राम कृष्ण भार्गव मुनेन्द्र अवस्थी,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रद्धा सागर,लोकसभा प्रभारी मिश्रित पूजा मिश्रा,नगर पालिका परिषद मिश्रित की अध्यक्ष मुन्नी देवी,ब्लाक प्रमुख मिथिलेश कुमारी,विधान सभा प्रभारी सीमा कुमारी,जिला मंत्री संध्या सिंह,लक्ष्मी पाण्डेय,मीना राजवंशी,पूजा जायस -वाल,इंदू सिंह,जया सिंह,शन्नो देवी, भास्कर मिश्र नीलू सिंह,राजकुमार सोनी,बबलू सिंह सतीश शास्त्री आदि भारी मात्रा में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नामांकन के दूसरे दिन निर्दलीय उम्मीदवार ने भरा-पर्चा

उरई/जालौन। जालौन में 2० मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। जिसके लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। नामांकन के दूसरे दिन जालौन में निर्दलीय उम्मीदवार चंद्रभान वर्मा टेंपो ड्राइवर ने अपना नामांकन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर राजेश कुमार पांडेय के समक्ष दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए निर्दलीय उम्मीदवार ने कहा कि वह चालकों के हित में काम करेंगे, साथ ही वह जीतते है तो हिट एंड रन कानून को वापस कराने का काम करेंगे, साथ ही क्षेत्र में अच्छी सड़कों को बनवाने का काम करेंगे, जिससे चालकों को किसी प्रकार की समस्या न हो सके। वही दूसरे दिन 6 प्रत्याशियों द्वारा 1० नामांकन पत्र खरीदे गए। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन निर्दलीय उम्मीदवार चंद्रभान वर्मा टेंपो ड्राइवर अपना नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे, जिन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय को अपना नामांकन पत्र दिया। नामांकन दाखिल करने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार चंद्रभान वर्मा टेंपो ड्राइवर ने कहा कि पूरे देश में चालकों को सर्वाधिक समस्याएं होती हैं, वह खुद टेंपो ड्राइवर और वह चालकों के सम्मान में चुनावी मैदान में है। निर्दलीय उम्मीदवार चंद्रभान वर्मा ने कहा कि टेंपो ड्राइवर हर गली में जाता है, जहां उसे समस्याओं का सामना करना पड़ता है, सड़कें अच्छी नहीं है, इसीलिए चालकों के सम्मान में वह मैदान में है, साथ ही सरकार द्वारा हिट एंड रन कानून को लाया गया, जो चालकों के लिए एक समस्या है।

श्रम दिवस पर यूपीडब्लूजेयू ने सौंपा उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन, उठाई आवास व पेंशन की मांग

➤ यूपीडब्लूजेयू लखीमपुर इकाई ने कहा फर्जी पत्रकारों पर लगे लगाम, संपादकों को जारी हों कार्ड

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ / लखीमपुर - अंतरराष्ट्रीय श्रम दिवस के मौके पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन (यूपीडब्लूजेयू) ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्रकारों से संबंधित मांगों के संदर्भ में ज्ञापन सौंप कर पेंशन व आवास सुविधा की मांग की है। यूपीडब्लूजेयू पदाधिकारियों ने इस मौके पर लखीमपुर खीरी पहुंच कर वहां की जिला इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम को भी संबोधित किया। बुधवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से यूपीडब्लूजेयू के प्रदेश अध्यक्ष टीबी सिंह के नेतृत्व में दर्जनों पत्रकारों ने मुलाकात की और साथ में उपस्थित, इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आईएफडब्लूजे) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति अध्यक्ष हेमंत तिवारी के मार्गदर्शन में ज्ञापन सौंपा गया। उप मुख्यमंत्री पाठक ने सभी पत्रकारों को श्रम दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह पत्रकारों की मांगों को उचित फोरम तक पहुंचाने का काम करेंगे व अपने स्तर पर भी निराकरण का प्रयास करेंगे। पत्रकारों की ओर से सौंपे ज्ञापन में राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त पत्रकारों की तर्ज पर सभी जिला मुख्यालय, तहसीलों व ग्रामीण पत्रकारों व उनके परिजनों को निशुल्क इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड जारी करने, 60 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके सभी पत्रकारों को पेंशन से आच्छादित करने और उत्तर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की गयी है। इसके अलावा ज्ञापन में पत्रकारों के उत्पीड़न संबंधी मामलों की सुनवाई के लिए पूर्व में जिला स्तर पर गठित होने वाली पत्रकारों की स्थाई समिति को क्रियाशील बनाने, जिला व तहसील स्तर पर पत्रकारों को मान्यता देने का काम तेजी से पूरा करने, न्यू मीडिया जैसे वेबसाइट, यूट्यूब चैनलों, पॉड कास्ट आदि से जुड़े पत्रकारों को मान्यता दिए जाने के साथ ही पत्रकारों को रियायती दर पर भूखंड या आवास दिए जाने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री से कहा कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मिलने वाली रियायती रेल यात्रा की सुविधा कोविड के दौरान बंद कर दी गयी थी। इसे पुनः शुरु करने के लिए राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय रेलवे मंत्रालय से अनुरोध किया जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में यूपीडब्लूजेयू के वरिष्ठ सचिव उत्कर्ष सिन्हा, प्रदेश सचिव राजेश मिश्रा, पीपी सिंह, वीरेंद्र सिंह, लखनऊ मंडल अध्यक्ष शिवशंकर सिंह व वरिष्ठ पत्रकार सुनील कुमार दिवाकर आदि शामिल थे। यूपीडब्लूजेयू संगठन सचिव अजय त्रिवेदी ने बताया कि श्रम दिवस के मौके पर लखीमपुर खीरी जिला इकाई ने अध्यक्ष कुलदीप पाहवा के नेतृत्व में एक कार्यक्रम आयोजित कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। लखीमपुर खीरी में श्रम दिवस पर हुए कार्यक्रम में भाग लेने प्रदेश अध्यक्ष टीबी सिंह के साथ आईएफडब्लूजे राष्ट्रीय सचिव सिद्धार्थ कलहंस, यूपीडब्लूजेयू के प्रदेश सचिव राजेश मिश्रा, पीपी सिंह, वीरेंद्र सिंह, लखनऊ मंडल अध्यक्ष शिवशंकर सिंह भी पहुंचे। लखीमपुर खीरी में यूपीडब्लूजेयू अध्यक्ष टीबी सिंह ने कहा कि जिला व तहसील स्तर पर पत्रकारों को मिलने वाली दिक्कतों को संगठन राजधानी में उच्च अधिकारियों के सामने रखेगा। उन्होंने कहा कि संगठन पत्रकार हितों में सक्रियता से कार्य कर रहा है। प्रदेश के लगभग 45 जिलों में संगठन की इकाई सक्रिय है। जल्द ही सभी जिलों में हम अपनी इकाई का गठन कर पत्रकारों की आवाज़ जोरदार ढंग से उठाएंगे। लखीमपुर जिलाध्यक्ष पाहवा ने कहा कि पत्रकार ही गर्व से अपने को पत्रकार कहते हैं। उन्होंने पत्रकारों की एकजुटता पर जोर देते हुए ईमानदारी से अपने कर्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों को लोगोयुक्त स्टीकर और पास ज़िला सूचना कार्यालय द्वारा जारी किया जाए। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों ने मुख्य विकास अधिकारी व कार्यवाहक जिलाधिकारी अनिल कुमार सिंह को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। लखीमपुर खीरी में श्रम दिवस पर हुए कार्यक्रम में कुलदीप पाहवा अध्यक्ष, सुबोध शुक्ला महामंत्री, शवाब खान कोषाध्यक्ष/सदस्य, चंद्रशेखर शुक्ला कोषाध्यक्ष, मोहम्मद रहीम, धीरज कुमार, शक्तिधर त्रिपाठी, राजेन्द्र गुप्ता, आनंद शुक्ला, अनूप रंजन मुखर्जी, रितेश भसीन, सुरेंद्र कुमार मिश्रा, शाकिर खान, रमेश चंद्र मिश्रा सहित कई पत्रकार शामिल रहे। अजय त्रिवेदी ने बताया कि कानपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, शामली सहित दो दर्जन जिलों में यूपीडब्लूजेयू की जिला इकाइयों ने श्रम दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया।

पत्रकारों के पेंशन और आवास की समस्या का होगा समाधान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पत्रकारों ने पेंशन, आवास और चिकित्सा सुविधाओं समेत अन्य मांगों के समर्थन में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रेषित किया है। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के तत्वावधान में मजदूर दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी को पत्रकारों ने 14 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कोविड में खत्म हुए 122 पत्रकारों के परिवार को सहायता दी थी और उन्हें उम्मीद है कि पत्रकारों के पेंशन और आवास की समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी मजदूर है जहाँ भी काम कर रहा उसकी इज्जत करे, तभी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के विकसित भारत का सपना पूरा होगा। उन्होंने सभी लोगों से मतदान करने की भी अपील की। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने कहा कि पत्रकारों की इतनी कम सैलरी पर 24 घंटे काम करना बहुत बड़ी बात है। रात में घटना हो या दिन में बारिश में ठंड में गर्मी में लगातार काम करते है। श्रमिक के काम का एक समय होता है लेकिन पत्रकार के काम करने का घंटा तय नहीं रहता। उन्होंने कहा कि वह सरकार से पत्रकारों के हितों के लिए मजबूती से पैरवी करेंगे। कार्यक्रम में यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रवींद्र कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकार और पत्रकारिता दोनों संक्रमण काल के दौर से गुजर रहे हैं। सरकार पत्रकारों के हितों का संरक्षण करने के उपाय करें। अखबार चलाने वाले मालिकान अब संविदा के तहत पत्रकारों को नौकरी में रखते हैं। इसलिए नौकरी खत्म होने का संकट हमेशा बना रहता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश श्रमजीवी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने कहा कि पत्रकारों को बिना किसी दबाव के कार्य का माहौल बरकरार रखा जाए। पत्रकारों के उत्पीड़न को गंभीरता से लेते हुए सरकार इसके समाधान की व्यवस्था करे। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में मांग की गई है कि मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, केरल समेत लगभग एक दर्जन से ज्यादा राज्यों में पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है। यूपी सरकार भी पत्रकारों के लिए शीघ्र ही पेंशन योजना का ऐलान करे। ज्ञापन में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पिछले कार्यकाल का उल्लेख किया गया है जिसमें पत्रकारों के लिए 20 हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन देने का निर्णय लिया गया था।

हाई कोर्ट और खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन के आदेश का नहीं हो रहा है पालन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - पुलिस नहीं मानने को तैयार हाई कोर्ट एवम् खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन का आदेश सूत्रों के अनुसार अवैध तरीके से हो रही है हुक्का बार पर कार्रवाई के नाम पर उगाही। हाई कोर्ट का आदेश आ चुका है की होटल/रेस्टोरेंट ऐसे खाद्य प्रतिष्ठानों में जहा हुक्काबार संचालित है अथवा संचालन किया जाना है, द्वारा खाद्य अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन प्राप्त होने पर ष्खाद्यसुरक्षा2023 तदसंबंध में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,की अधिसूचना दिनांक 23 मई 2017 में वर्णित उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन विभाग द्वारा ऐसे होटल,रेस्टोरेंट,खाद्य पदार्थ विनिर्माण /वितरण/विवरण/भंडारण/विक्रय करने हेतु खाद्य अनुज्ञप्ति आवेदन का निश्चित समय सिमा में नियमानुसार निस्तारण किया जाए। ऐसे में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन का ऑडर माननीय अनीता सिंह आयुक्त द्वारा 29 मार्च 2023 को आ चुका है जिसमे साफ़ लिखा है माननीय उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार होटल/ रेस्टोरेंट ऐसे खाद्य प्रतिष्ठानों में जहाँ हुक्काबार संचालित है अथवा संचालन किया जाना है द्वारा खाद्य अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन प्राप्त होने पर ष्ट्रेडजवक्र2003 तदसंबंध में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय , भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 23 मई 2017 में वर्णित उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा ऐसे होटल रेस्टोरेंट खाद्य प्रतिष्ठान को खाद्य पदार्थ विनिर्माण/ वितरण / भंडारण / विक्रय करने हेतु खाद्य अनुज्ञप्ति आवेदन का निश्चय समय-सीमा में नियमानुसार निस्तारण किया जाए । सूत्र बताते है ऐसे में जिन कैफ़े होटल एवं रेस्टोरेंट में जिनके हुक्का बार संचालित है उन पर अवैध तरीक़े से कुछ थानों की कार्यवाही के नाम पर रही उगाही।लेकिन राजस्व का नुकसान करा रहे है पुलिस।वैसे तो नियमानुसार संचालित करने के बाद अगर नियम को कोई नहीं मानता है तो कार्यवाह खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन ही कर सकता है।जबकि हाई कोर्ट एवं आयुक्त अनीता सिंह का ऑर्डर नहीं मानने को तैयार लखनऊ पुलिस के कुछ थाना क्षेत्र में। अन्य ज़िलो में संचालित है हुक्का बार। सिर्फ़ लखनऊ पुलिस के कुछ थाना क्षेत्र में अवैध तरीक़े से हो रही हुक्काबार पर कार्यवाही के नाम पर उगाही चल रही है।क्या फिर अगर खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन पुलिस को आदेश की कॉपी भेज दे तो उगाही बंद हो सकती है।अब देखना ये की उगाही का खेल कब रुकेगा।इसमें आरटीआई भी डाली जा चुकी है।

अनुराग ठाकुर चार के लिए भ्रम और 'डीपफेक' समेत सभी हथकंडे अपना रही है कांग्रेस : अनुराग ठाकुर

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि उसके शासन में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया था और अब वह अपने प्रचार के लिए भ्रम, अफ्वाह, 'डीपफेक' और अन्य सभी प्रकार के हथकंडे अपना रही है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार ने कथित अश्लील वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर आने के मामले में आरोपी नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई क्यों नहीं की? लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के कुछ उम्मीदवारों के नामांकन सहित कई कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश आए ठाकुर ने लखनऊ हवाई अड्डे पर एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा, कांग्रेस के शासन में ही आपातकाल लगाकर लोकतंत्र खत्म कर दिया गया था। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा, कांग्रेस भ्रम, अफ्वाह, डीपफेक और सभी प्रकार के हथकंडे अपना रही है। जिस तरह विदेशी ताकतें किसी भी देश को अस्थिर करने की कोशिश करती हैं, उसी तरह कांग्रेस अपने प्रचार के लिए सभी प्रकार के हथकंडे अपना रही है। ठाकुर ने कहा, वे (कांग्रेस) लगातार झूठ बोलते रहे हैं। वे कहते हैं कि आरक्षण खत्म हो जाएगा, लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। सच तो यह है कि मोदी सरकार ने 10 साल तक शासन किया, आरक्षण की कोई बात नहीं हुई। मोदी राज में यह कभी खत्म नहीं होगा। हमने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को अधिकार दिए हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस ने उनके अधिकार छीन लिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित राज्यों में आरक्षण खतरे में है, चाहे वह आंध्र प्रदेश हो, कर्नाटक हो या तेलंगाना। ठाकुर ने कहा, कांग्रेस ने डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को अपमानित और परेशान किया। नरेन्द्र मोदी के शासन में ही संविधान दिवस मनाया गया और श्पंच तीर्थश् बनाए गए। 'सबका साथ सबका विकास' हमारा नारा है। उन्होंने कहा कि इस बार उत्तर प्रदेश के लोग नया रिकॉर्ड बनाएंगे और 400 पार के लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, चाहे 2014 हो या 2019, उत्तर प्रदेश की भूमिका हमेशा रही है। हमें मोदी सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाना हैष् समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, दो शहजादे पहले भी एक साथ आए थे। अब वे नए प्रिंट में आए हैं.... लेकिन वे ज्यादा कुछ नहीं कर पाएंगे। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने गये ठाकुर से कर्नाटक के कथित अश्लील वीडियो क्लिप मामले के आरोपी प्रज्जवल रेवन्ना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, उनके परिवार या राजनीतिक दल से कोई फर्क नहीं पड़ता। उनके खिलाफसख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। मैं राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से पूछना चाहता हूं कि उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई क्यों नहीं की गई। रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पौत्र एवं पूर्व मुख्यमंत्री तथा जनता दल (सेक्युलर) नेता एच डी कुमारस्वामी के भतीजे हैं। हाल के दिनों में रेवन्ना से जुड़े कुछ अश्लील वीडियो क्लिप हासन में सामने आए जिसके बाद रेवन्ना को कल पार्टी से निलंबित कर दिया गया। पत्रकारों द्वारा यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी आने वाले दिनों में राम मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

समाचार

देश की जनता इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों पर विश्वास जता रही है लोकदल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने एक चुनावी जनसभा में कहा है कि 4 जून को एनडीए की विदाई तय है ।इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जनता का खूब समर्थन मिल रहा है, इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार विजई होंगे क्योंकि मतदाताओं ने गठबंधन के पक्ष में मतदान किया है देश की जनता ने एनडीए को 2014 व 2019 में खूब मौका दिया, लेकिन मोदी सरकार ने पूरा समय इधर-उधर की बात करने में निकाल दिया। देश खतरनाक स्थिति से गुजर रहा है देश में भाईचारे और समरसता के बीच नफरत की दीवाल खड़ी की जा रही है। देश की जनता मौजूदा सरकार से निराश और हताश है। देश की जनता को सरकार ने परेशानी और संकट में डाला है। भाजपा सरकार के चंदा, नोटबंदी, जीएसटी लाने के फैसले से महंगाई बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बढ़ा है। देश के अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है भाजपा संविधान को खत्म करने का प्रयास कर रही है। सिंह ने दावा किया है कि एनडीए 150 का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाएगी 400 का आंकड़ा तो बहुत ही दूर की बात है। सुनील सिंह ने बताया है कि इंडिया गठबंधन की सभा में जनता का उत्साह दिख रहा है जिससे बदलाव निश्चित है, और लोकतंत्र के महापर्व में जनता अपना फैसला सुना कर एनडीए की विदाई तय करेगी।

प्रियंका गांधी कल यूपी के फतेहाबाद में करेंगी रोड शो

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - यूपी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा तीन मई को यूपी में इंडिया गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित रोड शो में शामिल होंगी।यह जानकारी देते हुए यूपी कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन सी पी राय ने बुधवार को बताया कि 3 मई को अपरान्ह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा उत्तर प्रदेश के लोकसभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी से इंडिया गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में जनपद आगरा के फतेहाबाद में आयोजित रोड शो में सम्मिलित होंगी।

मायावती की मैनपुरी में चुनावी जनसभा आज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में देश भर में की जाने वाली चुनावी जनसभाओं के क्रम में कल 2 मई बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करेंगी।बीएसपी यूपी स्टेट कार्यालय द्वारा बुधवार को यहां जारी कार्यक्रम के अनुसार बसपा प्रमुख मायावती की यह चुनावी जनसभा मैनपुरी जिले में स्थित क्रिश्चियन कालेज के मैदान में आयोजित की गयी है।

अब्बास अंसारी को हाई कोर्ट से बड़ा झटका

लखनऊ। गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को इलाहाबाद की लखनऊ बेंच से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, कोर्ट ने अब्बास अंसारी की याचिका को खारिज कर दिया है। चित्रकूट जिले की जिला जेल में बंद रहने के दौरान अपनी पत्नी निकहत बानो से अवैध तरीके से मुलाकात का आरोप लगा था, मामले में अब्बास अंसारी ने जमानत की याचिका इलाहाबाद की लखनऊ बेंच में याचिका दाखिल की थी, जिसके कोर्ट ने खारिज कर दी। बता दें कि अब्बास अंसारी पर लखनऊ पुलिस को बगैर बताए शस्त्र लाइसेंस नई दिल्ली ट्रांसफर कराने का आरोप है। उन पर एक लाइसेंस पर धोखाधड़ी कर कई शस्त्र लेने का भी आरोप है। अब्बास अंसारी के खिलाफ लखनऊ पुलिस ने 12 अक्टूबर 2019 को शस्त्र लाइसेंस को लेकर एक मामला दर्ज किया था। जिसकी जांच के बाद पुलिस ने धारा 467, 468, 471, 420 और आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी।

डालीगंज रेलवे स्टेशन के पास ट्रांसफार्मर में लगी

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डालीबाग स्टेशन के पास ट्रांसफार्मर में अचानक आग लगने से विकराल रूप पकड़ लिया। स्टेशन पर आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल हो गया। चारों तरफलोगों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। फिलहाल,आग की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना अभी नहीं है। घटनास्थल पर पूर्वोत्तर रेलवे के कई अधिकारी तो कर्मचारी मौजूद रहे।

महानगर की पांचों विधानसभाओं में चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

लखनऊ। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि कैंट विधान सभा के तहत चन्दर नगर में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने सुबह 9 बजे, पश्चिम विधानसभा में सेक्टर 13 राजाजीपुरम निकट गुड लक लॉन में महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने सुबह 10.30 बजे, उत्तर विधानसभा में पुरानिया चौराहा स्थित विधायक डॉ नीरज बोरा के कार्यालय पर भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, विधायक डॉ नीरज बोरा द्वारा सुबह 11 बजे, पूर्व विधानसभा में मुंशी पुलिया चौराहा निकट हनुमान मन्दिर के पास विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा अपराह्न 12 बजे, मध्य विधान में बार्लिंटन चौराहा पर नोएडा विधायक पंकज सिंह शाम 5 बजे पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में पूजन कार्य सम्पन्न कराया।

कोविशील्ड मामले की हो उच्च स्तरीय न्यायिक जांच, जिम्मेदार लोगों पर चले मुकदमा : अखिलेश यादव

लखनऊ। कोविशील्ड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स को लेकर उठे विवाद के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने लोगों की जान जोखिम में डालकर वैक्सीन निर्माता से राजनीतिक चंदा वसूला है और इसकी उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी जानलेवा दवाओं की अनुमति देना किसी की हत्या की साजिश के समान है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक व्यक्ति को दो वैक्सीन के हिसाब से लगभग 80 करोड़ भारतीयों को कोविशील्ड वैक्सीन दी गयी है, जिसके बारे में उसका मूल फार्मूला बनानेवाली कंपनी ने कहा है कि इससे हृदयघात का खतरा हो सकता है। जिन लोगों ने वैक्सीन के साइड एफेक्ट के कारण अपनों को खोया है या जिन्हें वैक्सीन के दुष्परिणामों की आशंका थी, अब उनका शक और डर सही साबित हुआ है। उन्होंने कहा, लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। ऐसी जानलेवा दवाइयों को अनुमति देना किसी की हत्या के षड्यंत्र के बराबर है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर आपराधिक मुकध्दमा चलना चाहिए।ष् उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा,''सत्ताधारी दल ने वैक्सीन बनानेवाली कंपनी से राजनीतिक चंदा वसूलकर जनता की जान की बाजी लगायी है। न कघनून कभी उन्हें माफ करेगा, न जनता। इस मामले में सर्वोच्च स्तर पर न्यायिक जांच हो। इससे पहले, मंगलवार को सपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने लोगों को ष्जबरनष् लगाई गई कोविड वैक्सीन के निर्माता से ष्कमीशनष् लिया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रमुख अजय राय ने भी इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला किया था और आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा था, क्या यही मोदी की गारंटी है?ष् ब्रिटिश मीडिया द्वारा उद्धत किए गए अदालत ही दस्तावेजों के मुताबिक ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया है कि यूरोप में वैक्सजेवरिया और भारत में कोविशील्ड नामक उसकी कोविड-19 वैक्सीन बहुत दुर्लभ मामलों में रक्त के थक्के से संबंधित दुष्प्रभाव पैदा कर सकती है। हालांकि इसका कारण अज्ञात है। भारत में एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का निर्माण सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था। सपा महासचिव शिवपाल यादव ने इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करते हुए कहा था, अब यह उजागर हो गया है कि उन्होंने टीकों में भी कमीशन लिया है। लोगों को घटिया गुणवत्ता वाले टीके और दवाएं दी गईं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने देश में लोगों को जबरन कोविड के टीके लगाए जाने का आरोप लगाते हुए कहा था, भाजपा ने 200-300 करोड़ रुपये का चंदा लिया और उन्हें (कंपनी को) वैक्सीन बेचने की अनुमति दी गई। लोगों को जबरन वैक्सीन लगाई गई। दुनिया में कहीं भी वैक्सीन जबरन नहीं लगाई गई। वैक्सीन बनाने में भ्रष्टाचार सामने आया है, जिसकी वजह से अब लोग मर रहे हैं। कोविड के समय में अखिलेश यादव ने कहा था कि वह श्बीजेपी की वैक्सीनश् नहीं लगवाएंगे।

अवैध निर्माण को एल डी ए ने किया सील, नियम बना शोपिस

● 90 वर्षीय के वृद्ध हुए एलडीए अफसरों की मनमानी का शिकार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का बुलडोजर अवैध निर्माणों व भूमाफियाओं के खिलाफ फन उठाकर खड़ा रहता है, लेकिन यहाँ मामला कुछ और नजर आने लगा है। पड़ोसी अनूप कपूर का आरोप है कि मकान एवं कमर्शियल काम्प्लेक्स बनाने हेतु एल डी ए द्वारा जो भी मानक मानचित्र प्रमाण पत्र करवाना अनिवार्य होता है, लेकिन उन्ही के पड़ोसी डा.आशीष द्विवेदी ने रास्ते के मार्ग पर अवैध ढंग से कब्जा करके नाक में दम कर रखा है। और अभद्र एवं अश्लील गाली गलौच एवं मार पीट पर उतारू हो जाते हैं। पीड़ित अनूप कपूर ने मीडिया से उक्त प्रकरण में कहा कि डा. आशीष द्विवेदी द्वारा मानक मानचित्र विपरीत होने पर अवैध निर्माण होने पर एल डी ए वीसी से शिकायत पर मामले को लेकर सील मोहर करके चले गए थे, लेकिन कुछ दिनों बाद डा.आशीष द्विवेदी ने एल डी ए द्वारा अवैध निर्माण को गिराए जाने और जो नक्शा बदलकर अधिकारियों के आँख में धूल झोंक कर जो मकान बनाने का कार्य किया जा रहा था, वह सब पैसों के आगे नतमस्तक हो गया। इसी क्रम में पीड़ित ने मीडिया से कहा दबंग व्यक्तित्व डा.आशीष द्विवेदी ने एल डी ए से किस आधार पर अवैध निर्माण में लगी सील को क्यों खोला गया और फिर से एक मंजिला रास्ते के मार्ग पर निर्माण कराया जा रहा है। अगर मकान भविष्य में गिर जाता है तो कौन जिम्मेदार होगा? किसके संरक्षक में खोला गया अवैध निर्माण सील? आखिर क्यों मेहरबान हैं एल डी ए वीसी के अफसर? आखिर अवैध निर्माण पर क्यों बन रहा है चार मंजिला इमारत? आखिर जिम्मेदार अधिकारियों ने अपने ही द्वारा शील मोहर को किस आधार पर खोल दिया?

सत्ता परिवर्तन का है यह लोकसभा चुनाव, दक्षिण साफ़ उत्तर हाफ़- राजीव शुक्ला

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ - लोकसभा चुनाव 2024 के दो चरण हो चुके हैं। तीसरे चरण का चुनाव भी पूरे शबाब पर है ऐसे में राजनीतिक पार्टियों की तरफ़ से जवाबी हमले भी तेज होते जा रहे हैं। कांग्रेस के सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव शुक्ला ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता कर भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस बार का लोकसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इस पर सत्ता परिवर्तन का चुनाव है। उप्र में चौकाने वाले परिणाम देखने को मिलेंगे। एक तरफ दक्षिण में भाजपा होगी साफ़ तो दूसरी तरफ़ उप्र में होगी हाफ़। कांग्रेस गठबंधन के पक्ष में एक अंडर करंट है जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी हारती नज़र आ रही है। यही कारण है कि अब न तो 400 पार का नारा लग रहा है और न ही मोदी गारंटी की गूंज सुनायी दे रही है। चुनाव हारता देख अब भाजपा ने अपना चुनावी नेरेटिव ही बदल दिया है। मोदी जी अब कह रहे हैं कि कांग्रेस सत्ता में आयी तो मंगलसूत्र बिक जाएगा जबकि 70 वर्षों में कांग्रेस ने कभी किसी का मंगलसूत्र नहीं लिया बल्कि हमारी नेता सोनिया गांधी ने अपना मंगलसूत्र देश के लिए कुर्बान कर दिया वहीं इंदिरा जी ने तो अपने गहने देश की सेना के लिए दान कर दिया था।

भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं में हताशा, अटल आडवाणी को भूले

राजीव शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं में हताशा है यही कारण है कि न नेता घर से बाहर निकल रहा है न ही कार्यकर्ता। मोदी जी भी जन सभाओं को छोड़कर अब रोड शो करने लगे हैं। भाजपा की बुनियाद रखने वाले अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी तथा मुरली मनोहर जोशी सरीखे दिग्गज नेताओं को मोदी और शाह की जोड़ी ने दरकिनार कर दिया है। न तो किसी पोस्टर में इनकी तस्वीर दिखायी देती है न ही मोदी जी अटल जी के कार्यकाल में हुए विकास की बात करते हैं।

दलबदलूओं के सहारे चुनावी वैतरणी पार करना चाहती है भाजपा

राजीव शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की हालत यह है कि वो अपने ज़मीनी नेताओं को टिकट न देकर दूसरे दलों से आये दल बदलू नेताओं को टिकट बांट रही है। कांग्रेस के लगभग 150 दलबदलूओं को भाजपा ने टिकट दिया है इससे भाजपा के ज़मीनी नेताओं में नाराज़गी है। चुनाव भाजपा के नेता जीत कर संसद पहुंचते हैं लेकिन मोदी जी मंत्रालय उन्हें न देकर अपने चहेते ब्यूरोक्रेटस् को दे देते हैं। उन्होंने कहा कि ज़्यादातर महत्वपूर्ण मंत्रालय मोदी जी के ख़ास ब्यूरोक्रेटस् के पास ही है जो प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत होने के बाद मंत्रालय संभाल रहे हैं। यह भी एक बड़ा कारण है भाजपा नेताओं की हताशा का।

कोविशील्ड वैक्सीन के नाम पर 12 करोड़ का चंदा

राजीव शुक्ला ने कहा कि भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार देखने और सुनने को मिला है जब देश के पीएम ने देश की जनता की जान का सौदा 12 करोड़ का चंदा लेकर किया हो।पत्रकारों से बातचीत करते हुए राजीव शुक्ला ने कहा कि एक पूर्व पीएम अटल जी थे जिन्होंने 12 रूपये का चंदा नहीं लिया और एक मोदी जी हैं जिन्होंने 12 करोड़ का चंदा ले लिया वो भी कोविड महामारी के दौर में। जिस कंपनी से कोवीशील्ड वैक्सीन के नाम पर चंदा लिया उसी कंपनी ने ब्रिटिश कोर्ट में स्वीकारा कि कोविशील्ड के ख़तरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। राजीव शुक्ला ने कहा कि हमारे मेनिफ़ेस्टो में कहीं भी मुस्लिम तुष्टीकरण की बात नहीं कही गई है। भाजपा के लोग देश को धार्मिक ध्रुवीकरण कर गुमराह करने काम कर रहे हैं। देश का युवा बेरोज़गारी की मार झेल रहा है, किसान को उसकी फ़सल की क़ीमत नहीं मिल रही है महिलाएं असुरक्षित हैं हम हर क्षेत्र में न्याय देने का काम करेंगे। देश की जनता को इंडिया गठबंधन से जो उम्मीदें हैं हम उसे सत्ता में आते ही पूरा करने का काम करेंगे। कर्नाटक में प्रजव्वल रेवन्ना के सवाल पर राजीव शुक्ला ने जवाब देते हुए कहा कि वहां की सरकार ने एसआईटी का गठन कर जांच शुरू कर दिया है जांच की रिपोर्ट का इंतज़ार कीजिए किसी को बचाने का प्रयास नहीं किया जाएगा। प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दूबे, उप्र मीडिया चेयरमैन डॉ सीपी राय, वाइस चेयरमैन मनीश हिंदवी, प्रवक्ता पूनीत पाठक, सचिन रावत, प्रियंका गुप्ता, डॉ सुधा मिश्रा तथा अलीमुल्ला भी उपस्थित रहे।

पैसे और राजनीति का इश्क

कुछ मायनों में दिए गए कुछ तर्क ठीक हैं, लेकिन ध्यान रहे कि पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती। यह सिर्फ भ्रष्ट नेताओं के संदर्भ में सही होगा। जो नेता ईमानदार हैं और ईमानदारी से कार्य करते रहे हैं, उनके लिए राजनीति जनसेवा है, देशसेवा है। उदाहरण के लिए स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी, स्वर्गीय अटल जी इत्यादि जिनके ऊपर एक भी पैसे का दाग नहीं है। इन सबके अलावा आज और भी ऐसे ईमानदार नेता लोग हैं, लेकिन बहुत कम हैं। दरअसल, यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति के चुनकर आने का वास्तविक रहस्य समाज पर वैचारिक प्रभाव है। जिन विचारों का समाज पर अधिक प्रभाव रहता है, उन विचारों को मानने वाले व्यक्ति चुनावों में जीतकर आते रहते हैं और सत्ता भी उसी विचार को मानने वाली पार्टी के पास जाती है

चुनावी मौसम सुहावना हो रहा है, इस दिलकश माहौल में दौलत के तडक़े की संभावना का इंकार करना कठिन है। यूं भी राजनीति में पैसे का महत्व लगभग हमेशा से रहा है। बिरले ही बिना पैसे के मात्र अपने मेहनत, समाज सेवा, भाषण देने की कला के आधार पर सफल हुए। इस क्षेत्र में एजुकेशन का तो कोई महत्व नहीं है, हालांकि संविधान में सभी को बराबरी का हक है, लेकिन आज की राजनीति में जाति और धर्म का महत्व है जिससे जाति और धर्म के संख्याबल के आधार पर वोट बैंक की राजनीति हो सके। राजनीति और पैसे के इश्क की कहानी दिलचस्प है। चुनावी मौसम में अखबार, टीवी और होर्डिंग्स पर पार्टियों और प्रत्याशियों के विज्ञापनों की भरमार रहती है। लेकिन सवाल यह है कि इन पार्टियों के पास ये पैसा आखिर आता कहां से है? लेकिन कुछ महीने पहले एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया कि देश की पांच राष्ट्रीय पॉलिटिकल पार्टियों को जो कुछ पैसा मिला, उसमें से 53 फीसदी रकम का स्रोत पता नहीं था। यानी ये अज्ञात स्रोतों से थी। पार्टियों की 36 फीसदी आय ज्ञात स्रोतों से आई थी और सिर्फ 11 फीसदी रकम ही मेंबरशिप फीस आदि से जुटाई गई। यानी पार्टियों के खजाने में बेनामी चंदे की भरमार है। चुनावी चंदे में पारदर्शिता के नाम पर व्यवस्था ने राजनीतिक चंदे की प्रक्रिया में तीन बड़े बदलाव किए। पहला, अब राजनीतिक पार्टियां विदेशी चंदा ले सकती हैं। दूसरा, कोई भी कंपनी कितनी भी रकम, किसी भी राजनीतिक पार्टी को चंदे के रूप में दे सकती है, और तीसरा, कोई भी व्यक्ति या कंपनी गुप्त रूप से चुनावी बॉन्ड के जरिए किसी पार्टी को चंदा दे सकती है।

हो सकता है पहले भी कुछ लोग राजनीति में सेवा के उद्देश्य से आते थे और आज भी कुछ लोग सेवा के उद्देश्य से ही आते होंगे, लेकिन पहले भी अधिकांश लोगों ने सेवा के नाम पर राजनीति का फायदा दौलत समेटने के लिए किया है, और आज तो लगभग सभी लोग, इक्के-दुक्के को छोडक़र राजनीति को पैसा कमाने का जरिया बना चुके हैं। विदेशों में पॉलिटिकल फंडिंग के अपने दस्तूर हैं। अमरीका में अलग-अलग तरह के डोनर्स के लिए अलग-अलग लिमिट तय है। हालांकि थर्ड पार्टी पॉलिटिकल फंडिंग से जुड़े नियम ज्यादा सख्त नहीं हैं, लिहाजा बड़े पैमाने पर पैसा खर्च होता है। अमरीका में सिएटल के लोकल चुनावों में डेमोक्रेसी वाउचर का सिस्टम शुरू किया गया था। सरकार वोटरों को कुछ रकम के वाउचर देती है, जिसे वे अपनी पसंद के कैंडिडेट को चंदे में दे सकते हैं। ब्रिटेन में चंदे की कोई लिमिट नहीं है, लेकिन चुनाव खर्च की सीमा है। पार्टियां प्रति सीट 54 हजार पौंड (57.02 लाख रुपए) से अधिक नहीं खर्च कर सकतीं। यह सीमा पोलिंग डे से पहले के सालभर के दौरान हुए खर्च पर है। ब्रिटेन में किसी सिंगल सोर्स से कैलेंडर ईयर में 7500 पौंड (7.92 लाख रुपए) से ज्यादा रकम मिलने पर उसका खुलासा करना होता है। यूरोपियन यूनियन ने 2014 में यूरोप के राजनीतिक दलों की फंडिंग से जुड़े नियम बनाए थे। डोनेशन की लिमिट तय करने के साथ बड़ी रकम के खुलासे से जुड़े नियम बनाए थे। जर्मनी में पार्टियों को चुनाव लडऩे के लिए सरकार से पैसा मिलता है। पिछले चुनावों में मिले वोटों और पार्टी मेंबरशिप के आधार पर सरकारी फंडिंग होती है। जर्मनी में किसी सिंगल सोर्स से कैलेंडर ईयर में 10 हजार यूरो से अधिक रकम मिलने पर उसका खुलासा करना होता है। यह तो जगजाहिर हो चुका है कि देश में अधिकतर राजनीति का व्यापारीकरण हो गया है।

और यह व्यापार मुफ्त का व्यापार है, इसमें शानो शौकत है, मान और सम्मान है। कुछ पैसा लगाना पड़ता है तो उसका रिटर्न भी अच्छा मिलता है। राजनीति के जरिये पैसा बनाने वालों के अपने तर्क हैं। ये लोग कहते हैं कि क्यों न राजनीति के जरिये पैसे कमाएं, जब चुनाव लडऩे के लिए अथाह धन खर्च करना पड़ता है। ये भी नहीं है कि एक बार जीत गए तो पूरा जीवन नहीं लडऩा पड़ेगा। सिर्फ पांच साल ही मिलेंगे। चुनाव लडऩे के लिए थोड़ी तैयारी भी करनी पड़ती है। पता लगा कि मेहनत तो सारी कुएं में चली गई क्योंकि हाईकमान में मौजूद किसी असरदार नेता के चलते कोई दूसरा व्यक्ति टिकट ले गया। फिर निर्दलीय चुनाव लडऩा पड़ा तो खर्चा और मेहनत दुगना, और पार्टी से बगावत अलग। ये लोग यह भी कहते हैं कि चुनाव प्रचार के लिए गाडिय़ों व कार्यकर्ताओं की फौज, गाडिय़ों के लिए ईंधन और कार्यकर्ता के भोजन-दारू की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक नहीं तो कोई भी साथ नहीं चलेगा। चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं की लिस्ट व जातीय समीकरण के हिसाब से हर जगह सुबह 6 से रात 10 बजे प्रचार के लिए जाना कुछ क्षेत्र के ऐसे मतदाताओं की वोट तभी 'पक्की' मानी जाती है जब उन्हें चुनाव से पहले की रात तक लगातार दारू की बोतल और उनके परिवार के अन्य सदस्यों की मांगें पूरी होती रहेंगी। चुनाव कार्यालय के आसपास एक ऐसी जगह फिक्स होती है जहां कार्यकर्ताओं के लिए खाने-पीने के लिए 24 घंटे का बाकायदा हलवाई बिठाकर पूरा बंदोबस्त रहता है।

कुछ कार्यकर्ताओं की भी फीस अलग अलग तरह की होती है। कई तो भाषण विशेषज्ञ होते हैं, नेता कुछ बोले, न बोले, वो नेता जी के लिए एक से बढक़र एक विशेषण शब्द बोलते हैं। कुल मिला कर चुनाव में जुटे सारे कार्यकर्ता पैसे से ही बुलाए जाते हैं। अब इतना खर्च करके कौन 'वसूली' नहीं करना चाहेगा। कुछ मायनों में दिए गए कुछ तर्क ठीक हैं, लेकिन ध्यान रहे कि पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती। यह सिर्फ भ्रष्ट नेताओं के संदर्भ में सही होगा। जो नेता ईमानदार हैं और ईमानदारी से कार्य करते रहे हैं, उनके लिए राजनीति जनसेवा है, देशसेवा है। उदाहरण के लिए स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी, स्वर्गीय अटल जी इत्यादि जिनके ऊपर एक भी पैसे का दाग नहीं है। इन सबके अलावा आज और भी ऐसे ईमानदार नेता लोग हैं, लेकिन बहुत कम हैं। दरअसल, यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति के चुनकर आने का वास्तविक रहस्य समाज पर वैचारिक प्रभाव है। जिन विचारों का समाज पर अधिक प्रभाव रहता है, उन विचारों को मानने वाले व्यक्ति चुनावों में जीतकर आते रहते हैं और सत्ता भी उसी विचार को मानने वाली पार्टी के पास जाती है। चुनाव जीतने के लिए विचारों का महत्व अधिक है। विचारों से आंदोलन होता है और आंदोलन से राजनीतिक दशा और दिशा बदलती है। इसलिए यह कहना कि राजनीति के लिए बहुत पैसा चाहिए, गैर-वाजिब ही है।

संपादकीय

चार सौ पार की फांस

अगर इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चार सौ पार के नारे को चुनाव का मुख्य स्वर बनाने के बाद भी पहले दो चरण के मतदान में गिरावट और उत्साहहीनता के विश्लेषण के क्रम में बहुत सारे लोगों को 2004 चुनाव के पहले के श्इंडिया शाइनिंगश् का नारा याद आता है तो यह कोई हैरानी की बात नहीं है। तब भी कई राज्यों की विधान सभा चुनावों में भाजपा जीती थी, जीडीपी के आंकड़े बड़े चमकीले बताए जा रहे थे और यह लग रहा था कि भाजपा-एनडीए को अगर कुछ सीट काम पड़े तो मुलायम सिंह और शरद पंवार जैसे लोग समर्थन के लिए तैयार हों ही जाएंगे-ज्यादा से ज्यादा सौदेबाजी में कुछ अधिक दाम चुकाना हो। हम जानते हैं कि उस चुनाव में बहुत ही कमजोर कांग्रेस और ठीक से हिन्दी भी न बोल पाने वाली सोनिया गांधी ने इंडिया शाइनिंग की हवा निकाल दी थी। कांग्रेस भाजपा से आगे भी निकल गई थी। पर इस तुलना को ज्यादा आगे बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है। तब के प्रमोद महाजन, जेटली, आडवाणी जी, जोशी जी जैसे भी कुशल मैनेजर थे लेकिन मोदी-शाह की जोड़ी न थी। इस जोड़ी द्वारा तय सीटों का लक्ष्य कई बार चुनावी अर्थात हार या जीत, पूरा होने या न होने वाला भी साबित हुआ है लेकिन इस बार विपक्ष को जिस स्थिति में ला दिया गया है, राहुल गांधी और सारे विपक्षी नेताओं की छवि को जिस तरह ध्वस्त किया गया है और भाजपा हर मामले में लीड की स्थिति से शुरूआत कर रही थी, उससे यह तुलना ज्यादा मतलब की नहीं है। और तुर्रा यह है कि मोदी जी ही एजेंडा सेट करते हैं, अपनी ही पार्टी नहीं बाकी पार्टियों को चलाते दिखते हैं और लगभग अधिकांश विपक्षी नेताओं को उन्होंने किसी न किसी तरह से घेर लिया है। दर्जन भर मुख्यमंत्रियोंध्पूर्व मुख्यमंत्रियों से दलबदल कराने के बाद लगभग सारी पार्टियों में टूट-फूट कराई जा चुकी है। कई राज्यों में भाजपा के अंदर मुख्य नाराजगी इसी बात की हो गई है कि सारे महत्वपूर्ण स्थानों से दलबदलुओं को टिकट दिए गए हैं और सामान्य स्थिति में चुनाव जितवा देने वाले अनेक मुद्दे भाजपा की झोली में हैं। मोदी की गारंटी ही सबसे प्रबल स्वर दिखने लगा था। दूसरी तरफविपक्ष है अब तक न एक संगठन, न एक मोर्चा, न एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम, न एक नेता की तरफबढ़ने का होश ही नहीं है। क्योंकि हर दल और प्रदेश में टूट-फूट का क्रम अभी भी जारी है और इसमें नेताओं के नाराज होने और पार्टी से अलग कराने के लिए भाजपा के उकसावे या प्रलोभन की भी जरूरत नहीं है। विपक्षी एकता का इंडेक्स आगे बढ़ रहा है या पीछे जा रहा है, इसकी सुध लेने की भी फुरसत नहीं है। लेकिन दो कार्यकाल पूरा होने और अच्छे दिन लाने या बालाकोट जैसी घटना जैसा केन्द्रीय मुद्दा न होने से सारी तैयारी बेअसर होती लगती है। मोदी की गारंटी पर जिसको भरोसा है उसको है और जिसको नहीं है उसको होता नहीं दिखता। मतदाताओं में तो उत्साह नहीं ही है, कार्यकर्ताओं में उससे भी ज्यादा उत्साहहीनता है। मतदान की कमी के पीछे ये कारण हो सकते हैं। दूसरी तरफविपक्ष के पास संगठन और कार्यकर्ताओं की पर्याप्त फौज भी नहीं है तो आप उस तरफकी हवा होने का दावा भी नहीं कर सकते। चुनाव प्रो-मोदी, एंटी मोदी ही है। प्रो राहुल, प्रो अखिलेश, प्रो तेजस्वी तो नहीं ही है। और जिन मुसलमानों के मोदी-विरोधी और हर स्थिति में पहले भाजपा को सारा सकने वाले उम्मीदवार को तलाशने की उत्सुकता तो है लेकिन उनमें भी पहले की तरह उत्साह से चुनाव में वोट डालने की रिपोर्ट नहीं है। भाजपा का हो या उसके सभी सहयोगी दलों का लगभग हर उम्मीदवार मोदी के नाम के सहारे है। सिर्फ उनकी सभाओं और रोड शो की मांग हो रही है। अकेले मोदी जितना कर सकते हैं उतना कर रहे हैं पर हर मीटिंग की हर कुर्सी भरवाना उनका काम नहीं हों सकता। ऐसे आयोजनों से लेकर मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाना कार्यकर्ताओं का काम है। और यह कहना पर्याप्त नहीं है कि चार सौ पार के नारे से झलकते अति आत्मविश्वास के चलते वे सुस्त पड़ गए हैं कि हमारे न सक्रिय होने पर भी पार्टी जीत ही जाएगी। उनमें पुराने या बार-बार रिपीट होने वाले उम्मीदवारों को लेकर एक नाराजगी है तो नए (और दूसरे दलों से लाकर मैदान में उतारे) उम्मीदवारों से ज्यादा नाराजगी है। मतदाता भी एक सीमा से ज्यादा सरकार गिराने, नेता तोड़ने, विपक्ष की घेरेबंदी को लेकर हैरान है तो कार्यकर्ता भी। लेकिन संघ के लोग और मोदी भक्तों का यह स्वभाव नहीं है। वे हर हाल में जुटते हैं और बिहार विधान सभा या इससे पहले के मध्य प्रदेश चुनाव(2018 वाला) में भाजपा के कार्यकर्ताओं और मैनेजरों ने हारती बाजी पलटी थी। ऐसा कई बार हो चुका है और इस बार भी पहले दौर की तुलना में दूसरे दौर में मतदान का बढ़ाना यह बताता है कि संघ परिवार और मोदी भक्त जोर लगा रहे हैं- संभव है कुछ जोर विपक्ष के मरियल संगठन में पहले दौर की उत्साहवर्द्धक रिपोर्ट से भी आई हो। सोशल मीडिया के परदों के भीतर चलाने वाले खेल को समझने और जानने वालों का दावा है। असल में अभी मोदी समर्थकों के इस विशाल समूह में खुद ही दो फाड़ होने का खतरा है-ट्रेड्स और रायताज जैसे नाम वाले खेमों। ट्रेड्स मतलब अत्यधिक परंपरावादी-कट्टरपंथी और रायताज का मतलब जरा मिलावट की वकालत करने वाले। और इन्हीं जानकारों का मानना है कि खुद मोदी जैसे लोग रायताज वाले वर्ग में आटे गए हैं क्योंकि उन्हें साध्वी और अनंत हेगड़े जैसों के पक्ष में खड़ा होने का साहस नहीं बचा है। और इन जमातों की बहस से अंदाजा लगता है कि अंदर ही अंदर भारी उथल-पुथल है और इसमें संघ का लगभग पूरा शीर्ष भी रायताज गिना जाने लगा है। अगर भागवत भी आरक्षण और मुसलमानों के पक्ष में बोलने को मजबूर हों तो उनको भी हमले झेलने के लिए तैयार रहना होगा।

बड़े पैमाने पर सोने का आयात रुपये की गिरावट का कारण

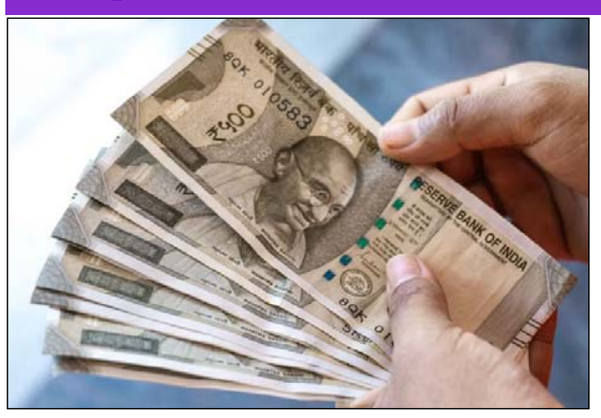

2014 से 2023 के बीच भारत का सोने का आयात 638 टन से बढ़कर 780.7 टन हो गया था। देश में 24कैरेट प्रति 10 ग्राम के आधार पर गणना की गयी सोने की कीमत इस दौरान क्रमशरू 28,000 रुपये से बढ़कर 73,750 रुपये हो गयी। भारतीय रुपये का विनिमय मूल्य मई 2014 में 59.90 रुपये से गिरकर अप्रैल, 2024 में 83.32 रुपये हो गया। लंबे समय से भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना आयातक रहा है। भारत के अमीर हमेशा अपने धन की सुरक्षा के लिए सोने का सहारा लेते हैं। सोने की ऊंची मांग अमीरों के बीच रुपये की कम मांग से जुड़ी है। अमीर भारतीयों के पास रुपये में भारी अतिरिक्त संपति है। देश की शीर्ष एक प्रतिशत आबादी के पास इसकी 40प्रतिशत संपत्ति है। किसी भी अन्य संपत्ति की तरह, मुद्रा का मूल्य उसकी मांग और आपूर्ति से निर्धारित होता है। भारत के अमीरों के पास रुपए की भरमार है। उनके लिए, कागजी मुद्रा की तुलना में सोना कहीं अधिक वांछनीय संपत्ति है। स्टॉक और रियल एस्टेट में निवेश देश के अमीरों की भारी कमाई को सुरक्षित रखने के अन्य लोकप्रिय तरीकों में से एक है। इससे पता चलता है कि क्यों सोने की मांग हमेशा रुपये की मांग से अधिक रही है। विडंबना यह है कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है। आईएमएफ वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार, 2024 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी (नाममात्र) मौजूदा कीमतों पर 2,848 अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जिससे भारत 195 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में से 143वें स्थान पर है। देश के शीर्ष एक प्रतिशत की आय हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक है, केवल पेरू और यमन जैसे कुछ छोटे देशों से पीछे है। सामान्यतः राष्ट्रीय मुद्रा के मूल्य को प्रभावित करने वाले कारक हैंरू मुद्रा की मांग और उसकी आपूर्तिय ब्याज दरय आर्थिक प्रदर्शनय मुद्रास्फीति की प्रवृत्तिय जीडीपी बढ़तय बेरोजगारी की दरय राष्ट्रीय ऋ णय और राजनीतिक स्थिरता। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, अमीरों के बीच भारतीय रुपये की मांग कम है, जो रुपये के स्टॉक सहित देश की संपत्ति का सबसे बड़ा नियंत्रक है। भारतीय रुपये की आपूर्ति अमीरों के बीच इसकी मांग से कहीं अधिक है। गरीबों के बीच रुपये की मांग है और आपूर्ति में कोई कमी नहीं है। ब्याज दरें एक मुद्दा हैं। वे विनिमय दरों के महत्वपूर्ण निर्धारक हैं। जब ब्याज दरें अधिक होती हैं तो मुद्रा का मूल्य बढ़ जाता है क्योंकि निवेशक हमेशा अधिक रिटर्न अर्जित करने के लिए सर्वोत्तम दरों की तलाश में रहते हैं। कई वर्षों से, भारत में ब्याज दरें मुद्रास्फीति दर से भी कम रही हैं। बढ़ती जीडीपी के बावजूद देश का आयात-आधारित आर्थिक प्रदर्शन शायद ही प्रभावशाली है। सोने और हीरे की आयात लागत, ज्यादातर व्यक्तिगत उपयोग के लिए, पेट्रोलियम के बाद दूसरी सबसे अधिक है। भारत जैसे आम तौर पर गरीब देश के लिए यह बिल्कुल हास्यास्पद है। सरकार को सोने के आयात में कटौती करके अमीर और उच्च मध्यम वर्ग को नाराज करने का डर लग रहा है। मूल्य मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में नहीं है क्योंकि मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दर निर्धारण का निर्णय अक्सर आर्थिक औचित्य की तुलना में मुख्य रूप से स्थानीय बड़े व्यापारिक घरानों को खुश करने के लिए राजनीतिक दबाव में लिया जाता है। यह और बात है कि सरकार-नियंत्रित बैंकों से बड़े पैमाने पर फंड उधार लेने वाले भी बड़े ऋण अपराधी हैं। सरकार सीखने से इनकार करती है। यह शायद ही कभी बड़े सोने के आयातकों और मुंबई स्थित बुलियन मर्चेंट्स एसोसिएशन को नाराज करना चाहता है, जो विश्व स्वर्ण परिषद के साथ उत्कृष्ट तालमेल का आनंद लेने के लिए जाना जाता है। देश अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए पर्याप्त रोजगार पैदा करने में भी विफल रहा है। कम बेरोजगारी एक मजबूत अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संकेतक है जो किसी देश की मुद्रा की मांग को बढ़ाती है। उच्च बेरोजगारी कमजोर अर्थव्यवस्था को दर्शाती है। जबकि ब्याज दरें विनिमय दरों के सबसे महत्वपूर्ण निर्धारकों में से हैं, बड़े सार्वजनिक ऋण वाले देश भी विदेशी निवेशकों के लिए कम आकर्षक हैं। उच्च ब्याज दरें उच्च विदेशी पूंजी प्रवाह को आकर्षित करती हैं जिससे मुद्रा की मांग अधिक हो जाती है और मूल्य बढ़ जाता है।

बड़े सार्वजनिक ऋणों के परिणामस्वरूप अक्सर मुद्रास्फीति होती है। देश के समग्र आर्थिक परिदृश्य को देखते हुए, जो सरकार के लंबे-चौड़े सार्वजनिक दावों के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा नहीं बदला है, भारत के अमीरों ने, जिनके पास काफी धन है, अपनी अतिरिक्त नकदी संपत्ति को सोने में बदलने का आसान विकल्प चुना है। सोने की कीमत उनके लिए ज्यादा मायने नहीं रखती। 20 अप्रैल को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना (99.9 फीसदी) की कीमत 74,870 रुपये पर पहुंच गयी। सोने में लगातार बड़ा निवेश भारतीय रुपये के मूल्य में और गिरावट ला रहा है। मजबूत मांग के कारण, पिछले साल अप्रैल-दिसंबर के दौरान भारत में सोने का आयात पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 26.7 प्रतिशत बढ़कर 35.95 बिलियन डॉलर हो गया। अकेले दिसंबर में, कीमती पीली धातु का आयात 156.5 प्रतिशत बढ़कर 3 बिलियन डॉलर हो गया। स्विट्जरलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 41 प्रतिशत है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात, दक्षिण अफ्रीका, पेरू और घाना हैं।दिलचस्प बात यह है कि भारत में वर्तमान सरकार के तहत पिछले 10 वर्षों में रुपये का प्रचलन सोने का आयात विस्तार के साथ काफी बढ़ गया। 2013-14 में सोने का आयात 638 मीट्रिक टन रहा। पिछले साल पीली धातु का आयात 800 टन तक पहुंच गया था। पिछले पांच वर्षों में सोने की मांग 700 से 800 टन के बीच रही। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के भारतीय परिचालन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी.आर. सोमसुंदरम के अनुसार, इस साल मांग 800 से 900 टन के बीच बढ़ने की उम्मीद है। जहां तक भारतीय रुपये के विनिमय मूल्य का सवाल है तो यह अच्छी खबर नहीं हो सकती है।

वैक्सीन के खेल का खुलासा

कोरोना काल में हुई असंख्य मौतों के बाद भी अकाल मृत्यु का सिलसिला रुक नहीं रहा है। लगभग रोजाना ऐसी खबरों से दो-चार होना पड़ रहा है, जिनमें कहीं कसरत करते हुए, कहीं नाचते हुए, कहीं कुर्सी पर बैठे-बैठे ही अच्छे-भले लगने वालों की मौत हो गई। ऊपरी तौर पर शरीर भले ही स्वस्थ दिखाई दे रहा हो, लेकिन भीतर न जाने एकदम से क्या होता है कि सीधे जान ही चली जाती है। डॉक्टर भी इन अकाल मौतों के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं। लेकिन एक सामान्य धारणा बन रही है कि कोरोना से बचने के लिए जो वैक्सीन लगाई गई हैं, ये उसका साइड इफेक्ट यानी दुष्प्रभाव हो सकता है। हालांकि इसकी कोई पुष्टि अब तक नहीं हुई है। लेकिन इस बीच कोविड-19 के लिए वैक्सीन बनाने वाली ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उनकी बनाई वैक्सीन के खतरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। सोमवार 29 अप्रैल को ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा किए गए दस्तावेज में कंपनी ने माना है कि उनकी कोरोना वैक्सीन से थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है, जो मस्तिष्क आघात या दिल के दौरे का कारण बन सकती है। हालांकि कंपनी का कहना है कि कम मामलों में ही ऐसे दुष्प्रभाव देखे गए हैं। इस भयावह खबर का एक खतरनाक पहलू यह भी है कि एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले पर ही भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ने कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है। जिसे भारत में सबसे अधिक इस्तेमाल किया गया है। कम से कम 175 करोड़ लोगों ने इस वैक्सीन को लगवाया है। भारत सरकार ने कोरोना वैक्सीन लगवाने की जबरदस्ती नागरिकों पर थोपी थी, क्योंकि वैक्सीन लगवाने का प्रमाणपत्र दिखाए बिना न सफर करने दिया जा रहा था, न शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों में जाने दिया जा रहा था। प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर वाला प्रमाणपत्र लेकर लोगों को घूमना पड़ रहा था। उनके लिए शायद यह भी प्रचार करवाने का एक अवसर था। हालांकि अब कहा जा सकता है कि इसमें करोड़ों नागरिकों को गिनीपिग की तरह दवा कंपनियों के सामने पेश कर दिया गया। जिन पर कंपनियों ने अपनी वैक्सीन का परीक्षण किया। इसके बाद लोगों की जान अचानक चली जाए, तो भी इसकी जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं है। क्योंकि सरकार को तो वैक्सीन बनवाने की वाहवाही लूटनी थी। भारत में इस समय जो अकाल मौतें हो रही हैं, उसके पीछे क्या वैक्सीन जिम्मेदार है, और ऐसे कितने लोग हैं, जिनकी मौत का कारण कोविड वैक्सीन है, इसके कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन ब्रिटेन में एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन की वजह से हुई मौतों या गंभीर बीमारियों के खिलाफ लोग अदालत गए और अब कंपनी के खिलाफ हाईकोर्ट में 51 केस चल रहे हैं। इन पीड़ितों ने एस्ट्राजेनेका से करीब 1 हजार करोड़ का हर्जाना मांगा है। सबसे पहले पिछले साल जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जिस पर मई 2023 में स्कॉट के आरोपों के जवाब में कंपनी ने दावा किया था कि उनकी वैक्सीन से टीटीएस नहीं हो सकता है। लेकिन इस साल फरवरी में हाईकोर्ट में जमा किए दस्तावेज में कंपनी इस दावे से पलट गई। और अब पता चल रहा है कि एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन से टीटीएस हो रहा है। हालांकि कंपनी ने उस बात को नकार दिया है कि इस वैक्सीन से कोई घातक बीमारी हो सकती है। एस्ट्राजेनेका का कहना है कि उन लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं, जिन्होंने अपनों को खोया है या जिन्हें गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा। मरीजों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। लेकिन इस प्राथमिकता या संवेदनशीलता के प्रदर्शन का अब क्या अर्थ जब लाखों-करोड़ों लोगों की जान पर बन आई है। अगर मरीजों का ख्याल वाकई कंपनी को होता तो पीड़ितों को हाईकोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाना पड़ता। पीड़ितों को न्याय की उम्मीद अब अदालत से ही है। अगर ब्रिटिश कोर्ट कंपनी के खिलाफ फैसला देता है तो एस्ट्राजेनेका पर 255 मिलियन पाउंड यानी करीब 2671 करोड़ रुपये का जुर्माना लग सकता है। कंपनी को यह रकम वैक्सीन से पीड़ित लोगों या उनके परिवार के सदस्यों को मुआवजे के तौर पर देनी होगी। इस मुआवजे से मारे जा चुके लोगों को वापस तो लाया नहीं जा सकेगा, मगर शायद दवा कंपनियों को इस तरह के खिलवाड़ करने के खिलाफ चेतावनी जरूर मिल जाएगी। कोरोना काल में दुनिया भर में आम जनता लगभग एक जैसी समस्याओं से ही घिर गई। लोगों के लिए स्वास्थ्य का संकट तो खड़ा हुआ ही, इसके साथ ही आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक तौर पर कई किस्म की मुसीबतें उन पर टूटीं, हालांकि इस दौर में सत्ता पर बैठे लोगों ने जमकर मनमानी की। लॉकडाउन के नाम पर निरंकुश शासन की छूट मिल गई और इस दौरान सत्ताधीशों और दवा कारोबारियों के बीच नए किस्म की सांठ-गांठ भी हुई। इसकी परतें अब धीरे-धीरे खुल रही हैं। भारत में कोवीशील्ड बनाने वाले अदार पूनावाला को इस वैक्सीन के कारण काफी मुनाफा हुआ। उनकी कंपनी ने 52 करोड़ रूपए के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे, जिसका चंदा भाजपा को मिला। इसके बाद लंदन में अदार पूनावाला ने 14 सौ करोड़ रूपयों का आलीशान बंगला खरीदा। अदार पूनावाला की नरेन्द्र मोदी के साथ तस्वीरें भी काफी चर्चित रहीं। इसी तरह एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन की लॉन्चिंग के वक्त ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इसे ब्रिटिश साइंस के लिए एक बड़ी जीत बताया था। लेकिन अब खबर है कि इस वैक्सीन का इस्तेमाल ब्रिटेन में नहीं हो रहा है। ब्रिटेन के अखबार टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में आने के कुछ महीनों बाद वैज्ञानिकों ने इस वैक्सीन के खतरे को भांप लिया था।

आज का राशिफल

मेष:- आप वाक्चातुर्य से मीठे सम्बंध बांध सकेंगे, जो कि भविष्य में आपके लिए लाभदायी सिद्ध होंगे। वैचारिकरुप से समृद्धि बढ़ेगी।

वृषभ:- आपकी यश, कीर्ति और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में उच्च पदाधिकारी खुश रहने से पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। स्वास्थ्य बना रहेगा।

मिथुन:- भावना और संवेदनशीलता में बहकर स्त्रीवर्ग से सम्बंध न बांधें। मन दुविधा में रहने से निर्णय लेने में बाधा आ सकती है। प्रवास टालें।

कर्क:- आज का दिन प्रफुल्लितता से भरा रहेगा। नए कार्य का आरंभ भी आज कर सकते हैं। मित्रों और स्नेहीजनों से भेंट होने से आनंद हो सकता है।

सिंह:- आपके लिए मिश्र फलदायी है आज का दिन। परिजनों के साथ आप अच्छी तरह से समय बिताएंगे। उनका सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या:- आज का दिन परोपकार और सदभावनाओं में बीतेगा। मानसिक रूप से कार्यभार अधिक रहेगा। आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुला:- आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल रहने से सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृश्चिक:- आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। मित्रों के साथ भेंट होगी तथा उनके साथ घूमने-फिरने, आनंद-प्रमोद करने में खर्च होगा।

धनु:- दैनिक कार्यों से बाहर निकल कर आज आप घूमने-फिरने और मनोरंजन के पीछे समय बिताएंगे। व्यवसाय में भागीदारी के लिए शुभ समय है।

मकर:- बौद्धिक कार्य या साहित्य लेखन जैसी प्रवृत्तियों के लिए आज अनुकूल दिन है। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रतिकूल वातावरण आपके मन को अस्वस्थ करेंगे।

कुंभ:- आपको आज निषेधात्मक कार्यों और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह देते हैं। झगड़े- विवाद से बचें, क्रोध और वाणी पर संयम रखें।

मीन:- आपको वाद-विवाद में अच्छी सफलता मिलेगी। परिश्रम की अपेक्षा कम प्राप्ति होने पर भी अपने कार्य में आप अग्रसर हो सकेंगे।

भाजपा की सरकार बनने पर ही लोगों को मिलेगा लाभ

केन्द्रीय मंत्री ने छतोह व डीह ब्लाक के कार्यक्रमों में हुई शामिल

नसीराबाद,रायबरेली। मंगलवार को केन्द्रीय मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति इरानी ने विकास खंड छतोह व डीह के कई कार्यक्रमों में शामिल हुई। उन्होंने अमेठी के पूर्व सांसद पर बिना नाम लिए हमलावर रही।केन्द्रीय मंत्री व अमेठी सांसद भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी छतोह के बाबा भगवान दास की कुटी पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने जनता से पूंछा कि जब कांग्रेस का सांसद था तो मुफ्त का राशन मिलता था। लोगों ने कहा नहीं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा 15 वर्ष यह क्षेत्र एक लापता सांसद के नाम से जाना जाता था। उन्होंने छतोह ब्लाक व अमेठी लोकसभा क्षेत्र में करायें गये कार्यों को गिनाया।कहा 20 मई को जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। लोकतंत्र को मजबूत करना है। लोगों को बताया कि ब्लाक क्षेत्र में 3400 लोगों को आवास मिला है। 16670 किसानों को वर्ष में छह हजार रुपए खाते में

जा रहा है।समूह से जुड़कर ब्लाक में 390 बहने लखपति दीदी बनी है। कार्यक्रम के बाद उन्होंने मंदिर पर दर्शन किया। उसके बाद केन्द्रीय मंत्री इमरती कुंआ के पास बाबा लंगुरिया दास पर मत्था टेका । फिर वहां से डीह ब्लाक मझिलहा गांव पहुंची और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।डीह के प्रधान संघ अध्यक्ष फूलचंद अग्रहरि के आवास पर लोगों से मिली। वहां से निकलकर राम नगर के पास जीडी पब्लिक स्कूल पहुंची और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वहां से विकास खंड छतोह के बारा गांव में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विशाल सिंह के आवास पर पहुंची और हजारों कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आई बहनों व भाइयों ने दिखा दिया है कि अमेठी लोकसभा में कमल ही खिलेगा। छतोह ब्लाक प्रतिनिधि विशाल सिंह, नसीराबाद के चेयरमैन मो अली व दर्जनों प्रधानों ने केन्द्रीय मंत्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राघवेन्द्र पांडेय ने किया।इस मौके पर विधायक अशोक कुमार, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विशाल सिंह, अंकेश सिंह,देवेश सिंह,राजू सिंह, विजय श्रीवास्तव,मो मोबीन,गौरव श्रीवास्तव,गोलू सिंह,रीता वर्मा,दिलीप यादव, राघवेन्द्र पांडेय,अंकेश सिंह, ब्रजपाल पासवान आदि लोग मौजूद थे।

पिता की तहरीर पर लड़की को भगा ले जाने से संबंध में दर्ज हुआ मुकदमा

महराजगंज, रायबरेली। लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के

मामले मे महराजगंज पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा। कोतवाली क्षेत्र के एक पिता ने तहरीर देते हुए बताया कि वादी की पुत्री उम्र 17 वर्ष को मोहित उर्फ हिमांशु मौर्य पुत्र शिवनारायण मौर्य निवासी कस्बा व थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी बहला फुसलाकर कर भाग ले गए वहीं कोतवाली पुलिस ने पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है।

जिला कारागार के बंदियों को क्षयरोग एवं एचआईवी के बारे में किया गया जागरुक

मिर्जापुर। क्षय रोग विभाग की टीम द्वारा जिला कारागार मिर्जापुर के अस्पताल प्रांगण में मौजूद बंदियों के बीच टीबी एवं एचआईवी जागरूकता के साथ-साथ जांच का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में क्षय रोग विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव ने टीबी के समस्त लक्षणों की जानकारी देने के साथ ही सरकारी स्तर से वर्तमान में उपलब्ध सभी निःशुल्क सुविधाओं की भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी।यादव ने कहा कि कोई भी व्यक्ति उपरोक्त बताए गए लक्षणों से यदि अपने को प्रभावित पाता है तो तत्काल निःशुल्क जांच एवं इलाज सुविधा का लाभ उठाते हुए अपने साथ साथ अपने नजदीकियों को भी सुरक्षित बनाने में सहभागी बनने का प्रयास करे।वहीं कार्यक्रम में एचआईवी पीपीएम कन्हैया द्वारा लोगों को एचआईवी के लक्षणों एवं उसके बचाव से परिचित कराते हुए जांच कराने का आग्रह किया।कार्यक्रम में क्षय विभाग के टीबीएचबी अवध बिहारी कुशवाहा व एल टी अजय कुमार भी मौजूद रहे।

भारी मात्रा में प्रचार सामग्री बरामद, आचार संहिता उलंघन का अभियोग दर्ज

अमेठी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत जनपद अमेठी में आदर्श आचार संहिता के पालन कोब्लेकर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को उ०नि० गिरजाशंकर द्विवेदी व स्त्रस्त्र 3186 अमेठी मजिस्ट्रेट शैलेन्द्र कुमार जायसवाल मय हमराह द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के दौरान धनापुर चौराहे पर बोलेरो वाहन सं० एचआर 26 डीबी 8607 को चेक करने पर लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 से संबंधित समाजवादी पार्टी एवं इण्डिया गठबन्धन के प्रत्याशी डा० एस०जी० सिंह (शिवपाल सिंह पटेल) से संबंधित कलेण्डर 410, डायरी 63 अदद, पम्पलेट 03 अदद, विजिटिंग कार्ड 04 अदद, पम्पलेट 493, स्टीकर 252 अदद व 179 अदद कार्ड प्रत्याशी के पक्ष में मत डालने के संबंध में अपील से संबंधित प्रचार सामग्री बरामद हुई । पुलिस द्वारा वाहन चालक से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम प्रेम कुमार पुत्र अमरनाथ नि० श्व-21-226 फेज न० 1 मायापुरी दक्षिण पश्चिमी दिल्ली (आधार कार्ड के अनुसार) दूसरा पता ग्राम परे वैरी शाल थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ बताया और बोलेरो वाहन सं० एचआर 26 डीबी 8607 के कागज मांगने पर दिखा ना सका । बरामद प्रचार सामग्री व वाहन के संबंध में थाना संग्रामपुर द्वारा अग्रिम कार्यवाही की गई।

बदहाल बिजली आपूर्ति को लेकर कभी भी भड़क सकता है ग्रामीणों का गुस्सा

रेणुकूट,सोनभद्र। नधिरा सबस्टेशन से ग्रामीण क्षेत्र में आपूर्ति की जाने वाली बदहाल बिजली आपूर्ति को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। भीषण गर्मी में दोपहर होते ही बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने सड़क पर विरोध प्रदर्शन कर नाराजगी ब्यक्त की और कहा कि अगर यही हाल रहा तो बड़े पैमाने पर जनआंदोलन किया जाएगा।मंगलवार दोपहर में बिजली कटौती को लेकर जरहा गाँव के दर्जनों ग्रामीणों ने सड़क पर हंगामा करते हुए बिजली बिभाग के नीतियों और रोस्टर का विरोध किया। कहा कि एक पखवाड़े से जैसे ही धूप तेज होती है उसी वक्त बिजली काट दी जाती है इसके बाद शाम को ही बिजली आती है जब कि दोपहर में गर्मी फूल पावर पर चल रही है ।हिट बेव के कारण घरो में बगैर बिजली रहना मुश्किल हो गया है। बच्चों बुजुर्गों सहित बीमार लोगों की हालत गर्मी में पके हुए आम की तरह होती जा रही है।गर्म हवाओं से लोग झुलस रहे हैं तो घरों में भी बिजली के बगैर नीद और चैन गायब है। बताया गया कि जानकारी लेने पर पिछले पखवाड़े से प्रतिदिन यही कहा जाता है कि पोल टूट गया तार गिर गया हवा तेज चल रही है धूप तेज है फाल्ट हो गया है ।33 केवीए बन्द है आग लग गया पेड़ गिर गया जैसे तरह तरह के बहाने बनाया जाता है लेकिन सही जानकारी उपभोक्ताओं को नही दी जाती और लोगबाग समूचे दिन बिजली आने की आस में बैठ कर वक्त काटने को मजबूर हैं।ग्रामीण राहुल सिंह,राजेश कुमार,सन्तोष, जगत नारायण,टीएन सिंह ,तसुबर शेख सहित अनेक लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश ब्यक्त किया।समस्या समाधान को लेकर एसडीओ म्योरपुर राहुल सुंदरम को फोन किया गया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

एलपीजी सुरक्षा को लेकर गैस एजेंसी चला रही है जागरूकता अभियान

बछरावां रायबरेली। सुरक्षा को लेकर पप्पन इंडेन गैस सर्विस क्षेत्र के अंतर्गत घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चला रही है जिसमें गैस एजेंसी के फील्ड ऑफिसर सुनित कुमार सोनकर घरों में जाकर उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लीक होने पर आपातकालीन सेवा 1906 डायल करने के लिए सूचित कर रहे हैं और उनके द्वारा उपभोक्ताओं को यह भी बताया जा रहा है कि हमारे द्वारा चलाए जा रहे है इस मिशन में जिसमें निशुल्क रूप से आप सभी के गैस चूल्हा चेक किया जा रहे हैं और यह भी बताया जा रहा है कि जिन लोगों की पाइप 5 वर्ष से ज्यादा पुरानी हो चुकी है वह अपनी पाइप गैस एजेंसी पर चेंज करवा ले, क्यो कि पाइप में दरार आ जाती है और गैस लीकेज की संभावना बढ़ जाती हैद्य जिसमें दुर्घटना होने की संभावनाएं और अत्यधिक बढ़ जाती हैं, इसलिए आप लोग 5 वर्ष के अंदर एक बार पाइप जरूर चेंज कर दें तथा खाना बनाने के बाद रेगुलेटर बंद कर देना चाहिए एवं चूल्हे को सिलेंडर के ऊपर प्लेटफार्म पर ही रखकर खाना बनाना चाहिए।

बाजार शुक्ल पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अमेठी। जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को उ0नि0 प्रेमचन्द्र गौतम थाना बाजारशुक्ल मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर 452,323,504,506,304 भादवि थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी में वांछित अभियुक्त रिजवान अहमद पुत्र अब्दुल रज्जाक नि0 ग्राम सत्थिन थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी को जगदीशपुर रोड सत्थिन चौराहा के पास से दिन में गिरफ्तार किया गया।

थाना कमरौली पुलिस द्वारा तमंचा और कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अमेठी। जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को उ०नि० रविन्द्र प्रताप सिंह थाना कमरौली मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सुदेश कुमार पुत्र रामसुमेरे निवासी ग्राम रजखेता मजरे पलिया पश्चिम थाना कमरौली जनपद अमेठी को रेलवे क्रॉसिंग ग्राम पलिया पश्चिम के पास से दिन में गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से पुलिस को 01 अदद तमंचा 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुए व मोटरसाइकिल नम्बर क्8़6य5695 सुपर स्प्लेण्डर के कागजात मांगने पर दिखा नही सका, वाहन उपरोक्त को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में पुलिस द्वारा सीज किया गया।

दिव्यांग जनों द्वारा निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली को मुख्य विकास अधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

⇨ दिव्यांग जनों ने विभिन्न स्लोगन के माध्यम से जन सामान्य से आगामी 20 मई 2024 को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की किया अपील

अमेठी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर जन सामान्य को 20 मई 2024 को अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को विकासखंड गौरीगंज परिसर से दिव्यांग जनों द्वारा निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली को मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी स्वीप सूरज पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली विकासखंड गौरीगंज से चलकर सब्जी मंडी तिराहा पर समाप्त हुई। रैली में दिव्यांग जनों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया एवं विभिन्न स्लोगन के माध्यम से जन सामान्य को आगामी 20 मई 2024 को स्वयं तथा अपने आसपास के लोगों को बढ़ चढ़कर मतदान करने की अपील की गई। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी आरके शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लक्ष्मण टीला में सरकार की निगरानी में रिसीवर नियुक्त करने की मांग न्यायालय से करेंगे

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष एवं लक्ष्मण टीला मामले के वादी ऋषि कुमार त्रिवेदी ने लक्ष्मण टीला के विवादित परिसर में बनी मस्जिद में रह रहे मुतवल्ली और उनके भाई के बीच आये दिन झगड़े की आड़ में लक्ष्मण टीला की पुरातत्व निशानियों को मिटाने की कोशिशों का आरोप लगाया है। लक्ष्मण टीला के विवादित परिसर में रह रहे मौलवी के परिवारिक सदस्यों के बीच एक बार फ़्रि सामने आये झगड़े के वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए न्यायिक लड़ाई के वादी ऋषि कुमार त्रिवेदी ने कहा कि लक्ष्मण टीला मामले में न्यायालय से निर्णय आने तक इस विवादित परिसर में रह रहे सभी लोगों को बाहर कर सरकार की निगरानी में रिसीवर नियुक्त करने की मांग करेंगे। मालूम हो कि वादी ऋषि कुमार त्रिवेदी लक्ष्मण टीला में पूजा-पाठ की अनुमति को लेकर निचली अदालत में वाद दायर कर रखा है। श्री त्रिवेदी ने कहा कि लक्ष्मण टीला के विवादित परिसर में औरंगजेब द्वारा बनायी गयी मस्जिद में रह रहे मुतवल्ली बराबर किसी न किसा काम के बहाने लक्ष्मण टीला परिसर में मौजूद मन्दिर के अवशेषों को नष्ट करने का बराबर प्रयास करते रहते है, इस मामले में कई बार स्थानीय चौक कोतवाली और प्रशासन के साथ-साथ पुरातत्व विभाग को लिखित शिकायत भी की जा चुकी है। इस मामले में पुरातत्व विभाग ने कदम उठाते से प्रशासन से परिसर में अतिक्रमण को हटाने व अन्य अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देश भी दे चुका है।

रविदास मंडल में न्यू वोटर कमल मित्र के बैठक का हुआ समापन

वाराणसी। कमल मित्र एवं नारी शक्ति चौपाल अभियान के तहत नवयुवतियों एवं मातृ शक्तियों को मतदान के लिए जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय संयोजक सुष्मिता सेठ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महानगर महिला मोर्चा मंत्री प्रज्ञा पांडे रहीं ।इस दौरान मंडल अध्यक्ष सीता गुप्ता, रानी जयसवाल,सुषमा मिश्रा,उषा सिंह ,परिहार, दुर्गा सोनकर,नीलम दिवेदी ,प्राची सिंह आदि रहीं।

मुलायम सिंह के बिना यादव लैंड में तय होगा अखिलेश का सियासी रसूख...

लखनऊ। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बिना समाजवादी पार्टी पहली बार लोकसभा चुनाव के समर में उतरी है। हालांकि मुलायम के निधन के बाद मैनपुरी में हुआ उप चुनाव डिंपल यादव ने जीता था, तब परिवार में एका हुआ था और चाचा-भतीजा, शिवपाल सिंह और अखिलेश यादव ने साथ आकर नेताजी की विरासत बचाने के लिए दिन-रात एक कर दिया था। लेकिन अब पार्टी के प्रदर्शन का पूरा दारोमदार अध्यक्ष अखिलेश यादव के कंधे पर है। ऐसे में यह चुनाव सपा के परंपरागत वोटरों को साथ रखने के साथ प्रदेश में श्यादव लैंड कही जाने वाली लोकसभा की 10 सीटों पर तेज रफ्तार में साइकिल दौड़ाने का भी है। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी, फ़िरोजाबाद, बदायूं, एटा, कन्नौज, जौनपुर, फैजाबाद, आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया लोकसभा सीटें यादव बहुल मानी जाती हैं। इसलिए इन्हें यादव लैंड कहकर भी पुकार जाता है। अब इन सीटों के चुनावी परिणाम ही प्रदेश और देश में अखिलेश यादव का सियासी रसूख और भविष्य तय करेंगे। यह भी साफ हो जाएगा कि मुलायम के बाद यादव समाज कितनी बड़ी संख्या बल के साथ अखिलेश की नुमाइंदगी कुबूल करता है, क्योंकि भाजपा ने यादव बहुल सीटों पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को उतारकर अखिलेश के यादव वोट बैंक में दरार डालने का पूरा जाल बिछा रखा है। वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव में सपा ने 26 सीटें जीती थीं। इनमें यादव लैंड की मैनपुरी, एटा, इटावा, फ़िरोजाबाद, बदायूं और आजमगढ़ की सीटें शामिल थी।

जौनपुर भाजपा के हिस्से में आई थी। 2004 में सपा के 37 सांसद चुने गए थे। मैनपुरी, एटा, इटावा, फ़िरोजाबाद, बदायूं, जौनपुर लोकसभा सीटों पर सपा ने विरोधियों को पछाड़ दिया था। इस चुनाव में फैजाबाद और आजमगढ़ से बसपा जीती थी। हालांकि 2009 के चुनाव से सपा का जनाधार खिसकने लगा। इस चुनाव में सपा ने 21 सीटें जीतीं। लेकिन इनमें यादव लैंड की केवल तीन मैनपुरी, इटावा, फ़िरोजाबाद लोकसभा सीटें शामिल थी। हालांकि एटा से सपा समर्थित उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह जीते थे। फ़िरोजाबाद सीट पर अखिलेश यादव के इस्तीफ़ा देने से उपचुनाव हुआ तो कांग्रेस के राज बब्बर ने जीत दर्ज कर ली थी। उन्होंने अखिलेशकी पत्नी डिंपल यादव को हरा दिया था। वर्ष 2009 में बलिया सीट सपा ने जीती, फैजाबाद से कांग्रेस, जौनपुर से बसपा, संतकवीर नगर से बसपा और आजमगढ़ से भाजपा ने जीत हासिल की थी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा का यादव लैंड में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन रहा। इस चुनाव में मैनपुरी से मुलायम सिंह यादद और आजमगढ़ से अखिलेश यादव ही चुनाव जीत पाए।

जंगल में लगी आग, आग की चपेट में आई ट्रैक्टर ट्राली जलकर राख, चालक ने कूद कर बचाई जान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आग लगने का सिलसिला लगातार जारी है। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के पुरसैनी गांव के बाहर जंगल में मंगलवार दोपहर आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। इसी बीच रास्ते से गुजर रहे एक ट्रैक्टर ट्रॉली भी आग की चपेट में आ गया। चालक ने कूद कर अपनी जान बचाई और फ़ायर बिग्रेड को सूचना दी। आग लगने से चालक मामूली रूप से झुलस गया हैं। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक ट्रैक्टर और ट्राली जलकर राख हो चुका था। हीरामन खेड़ा निवासी राजू रावत मंगलवार दोपहर करीब दो बजे ट्रैक्टर ट्रॉली (यूपी 32 जीडी 3587) से गोपाल खेड़ा गांव में भूसा उतार कर वापस घर लौट रहा था। वह पुरसैनी गांव के बाहर जंगल के पास पहुंचा तो देखा कि आग लगी थी और धुआं के गुबार उठ रहे थे। इसी बीच रास्ते से निकलने के दौरान वह आग की चपेट में आ गया। जिसके बाद चालक राजू ने कूदकर अपनी जान बचाई। जब तक वह कुछ समझता तब तक वह मामूली रूप से झुलस चुका था। आनन फ़ानन में फ़ायर बिग्रेड को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पीजीआई फ़ायर स्टेशन से पहुंची तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। हालांकि तब तक ट्रैक्टर ट्रॉली जलकर राख हो चुकी थी। चालक का कहना है कि जाते समय जंगल के पास पराली में एक व्यक्ति आग लगा रहा था। वापस आने पर देखा कि जंगल में आग लगी थी जिसके वजह से वह भी चपेट में आ गया। चालक निजी अस्पताल में अपना इलाज करवा रहा हैं। उसका कहना है कि इस मामले में पुलिस से लिखित शिकायत करेगा।

मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए बच्चों ने निकाली जन जागरूकता रैली

उन्नाव। जनपद उन्नाव के सिविल लाइन स्थित राधाकृष्णन विद्या मंदिर इंटर कालेज द्वारा मतदान के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए एक रैली का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जनता को उनके मतदान की महत्ता को बताने के लिए जन जागरूकता अभियान द्वारा गली गली जाकर अपने बहुमूल्य वोट की ताकत पहचानने की अपील की।मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है और भारत के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

छात्रों ने वोट फॉर फ्यूचर, स्वस्थ जनतंत्र की है पहचान सबको शिक्षा और मतदान, भारत देश महान है करते सब मतदान हैं, जैसे नारों का इस्तेमाल कर जनता को अपने वोट की महत्ता याद दिलाने का प्रयास किया। बच्चों की रैली सिविल लाइन, लोधनहार,कल्याणी देवी , केवटा तालाब, रामपुरी जैसे कई मोहल्लों में जाकर सभी से आगामी 13 मई को अधिक से अधिक मतदान करने की अपील करी। विद्यालय मैनेजर विक्रम जैन ने बताया की मतदान एक ऐसी प्रक्रिया है जहां पात्र व्यक्ति चुनाव में किसी विशेष उम्मीदवार, विकल्प या निर्णय के लिए अपनी प्राथमिकता व्यक्त करते हैं। और मतदान करके, नागरिकों को विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का अवसर मिलता है।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
गुरुवार, 02 मई, 2024

वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी हुए सम्मानित

संतकबीरनगर। अल हिदायह ग्रुप आफ पब्लिक स्कूल्स मीरपुर करही में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस मौके पर प्रथम तीन स्थानों पर आने वाले विद्यार्थियों को स्कूल की ओर से पुरस्कृत भी किया गया। प्रधानाचार्या तौफीक़ अहमद ने कहा कि इस सत्र का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। उन्होंने इसके लिए बच्चों अध्यापकों को उनकी मेहनत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बच्चों की वर्ष भर की मेहनत का परिणाम है। इसके साथ ही उन्होंने सबको जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करने पुरजोर मेहनत करने का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर अजय कुमार यादव शफीक अहमद मोहम्मद मोहसिन नौशाबा परवीन मिस्बाह खातून रूशदा खातून नादिया खातून आमेरा खातून आदि मौजूद रहे।

अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित करने पर 10 के खिलाफ मुकदमा

भरुआ सुमेरपुर। अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता के साथ मारपीट गाली गलौज करने पर विवाहिता ने 10 ससुरालीजनों पर दहेज के लिए प्रताडित करने का मुकदमा कायम कराया है। कस्बे की नई बस्ती निवासी राबिया ने थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि अतिरिक्त दहेज के साथ बाइक आदि की मांग को लेकर सास, ससुर, पति, जेठ, नंद उसके साथ आए दिन मारपीट करके प्रताड़ित करते हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मऊरानीपुर झांसी निवासी पति मेराज राइन, सास मुन्नी, ससुर हाजी बच्चन, जेठ यासीन, आरिफ, आमीन, आसिफ, चांद राइन, नंद रुखसाना, इमराना के खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मुकदमा दर्ज किया है।

पत्नी से झगड़ने के बाद युवक ससुराल में फांसी पर झूला

⇨ मृतक के ताऊ ने हत्या किए जाने का लगाया आरोप
⇨ ससुराल में फंदा लगाकर की आत्महत्या

भरुआ सुमेरपुर। थाना क्षेत्र के धुंधपुर गांव में ससुराल आए युवक ने पत्नी से झगड़ने के बाद सोमवार की देर शाम फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाया है। थाना क्षेत्र के धुंधपुर गांव निवासी सुग्रीव निषाद की पुत्री शकुंतला निषाद की शादी पिछले वर्ष 6 जून को बांदा के मोहल्ला क्रेटरा निवासी भारत निषाद 23 वर्ष से हुई थी। शकुंतला के परिवार में शादी होने के चलते पति-पत्नी बीते 21 अप्रैल को धुंधपुर गांव आए हुए थे और पत्नी को छोड़ने के बाद पति भारत 22 अप्रैल को बांदा वापस चला गया था। वह 25 अप्रैल को पत्नी को लिवाने के लिए धुंधपुर आया और तीन दिन वहीं बना रहा। 29 अप्रैल को जब पत्नी को उसने बांदा चलने के लिए तैयार हो जाने के लिए कहा तो पति-पत्नी में विवाद हो गया और उसने जमकर शराब पी। पत्नी ने बताया कि शाम को उसने घर के अंदर छपरे की बल्ली से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस व भारत के परिजनों को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक के ताऊ छक्कीलाल निषाद ने आरोप लगाया है कि भतीजे की हत्या कर शव को आत्महत्या का रूप देने के लिए फंदे में लटकाया गया है। कहा कि पोस्टमार्टम के बाद तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराएंगे। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि युवक के फंदा लगाकर जान देने की सूचना मिली थी। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

ठेकेदारों की उदासीनता से गेहूं खरीद केंद्रों की उठान अटकी

जिलाधिकारी के अल्टीमेटम के बाद नहीं हो सकी उठान

हमीरपुर। नवीन गल्ला मंडी सुमेरपुर में संचालित सरकारी गेहूं खरीद केंद्रों में खरीदा गया गेहूं जिलाधिकारी के अल्टीमेटम के बाद भी नहीं उठ सका है। केंद्र प्रभारी इसके लिए ठेकेदार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव संपन्न करने के लिए नवीन गल्ला मंडी सुमेरपुर को अधिग्रहित किया गया है। जिलाधिकारी राहुल पांडे ने 30 अप्रैल तक प्रत्येक दशा में मंडी खाली कराने के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी के सख्त रूख को देखकर आढतियों ने मंडी को खाली कर दिया है लेकिन मंडी के अंदर संचालित गेहूं खरीद केंद्रों की उठान अभी तक नहीं हो सकी है। अभी भी पांच खरीद केंद्रों का दो हजार कुंतल से अधिक गेहूं मंडी के अंदर मौजूद है। नवीन गल्ला मंडी में पीसीएफ किसान सेवा केंद्र, क्रय विक्रय सहकारी समिति, विपणन शाखा, मंडी परिषद, एफसीआई नैफेड के केंद्र संचालित हो रहे थे। नैफेड को छोड़कर सभी केंद्रों में खरीद हो रही थी। इसी बीच मंडी खाली करने का आदेश पारित हो गया। 30 अप्रैल तक मंडी पूरी तरह से खाली होनी थी लेकिन मंगलवार को मंडी परिषद का 200 कुंतल, किसान सेवा केंद्र का 740 कुंतल, क्रय विक्रय का 1100 कुंतल, एफसीआई का 140 कुंतल तथा विपणन शाखा केंद्र का 20 कुंतल गेहूं अभी भी गल्ला मंडी के अंदर रखा हुआ है।

सर्वजातीय कन्या विवाह सम्मेलन में 10 जोड़ो ने थामा एक दूसरे का हाथ

भरुआ सुमेरपुर। कस्बे की गायत्री तपोभूमि में सर्वजातीय कन्या विवाह सम्मेलन में 10 जोड़ों ने एक दूसरे को वरमाला पहनाकर साथ जीने मरने की कसम खाई। कस्बे की गायत्री तपोभूमि में जय बुन्देलखण्ड किसान हितैषी सेवा समिति ने सर्वजातीय कन्या विवाह सम्मेलन का आयोजन कराया। 10 जोड़ों की शादियां संपन्न कराई। समिति के अध्यक्ष कार्यक्रम संयोजक मनीष राणा ने बताया कि इस विवाह सम्मेलन में आरती देवी संग जयकिशन, राधा संग मुकेश, रजनी संग दिवस कुमार, प्रांजल देवी संग हरिशंकर, सोना देवी संग संतोष, लक्ष्मी संग कुलदीप, खुशी संग विनोद, संध्या संग साकेत कुमार, प्रीति देवी संग अरविंद कुमार, निशा देवी संग मनीष कुमार ने एक दूसरे को वरमाला पहनाकर जीवनसाथी चुना है।

धनघटा में निशुल्क योग केंद्र का हुआ सामूहिक उद्घाटन

⇨ योगाभ्यास से रोगी से निरोगी बनकर जिंदगी बेहतर हो जाती है: रविंद्र यादव

धनघटा। संतकबीरनगर/धनघटा के स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में निशुल्क योग केंद्र का सामूहिक उद्घाटन किया गया।इस दौरान केन्द्र से मिलने वाले फायदे और छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण प्राप्त करने आदि के टिप्स बताएं। संत कबीर नगर जिले के धनघटा में सोमवार को स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विद्यालय के प्रबंधक उत्तम कुमार चौधरी केंद्र का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस दौरान योग प्रशिक्षक रविंद्र यादव द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बताया गया संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव तथा जितेंद्र कुमार आई ए एस अपर मुख्य सचिव भाषा विभाग के निर्देशन में संपूर्ण प्रदेश में 71 केंद्रों का आज सामूहिक उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा लगभग 2800 छात्र योग का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस दौरान उन्होंने योग से मिलने वाले फायदे गिनाए और छात्र-छात्राओं को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा योगाभ्यास से रोगी से निरोगी बनकर जिंदगी बेहतर हो जाती है इसलिए योग को जीवन में जरूर उतारे ताकि हम और हमारा परिवार दोनों स्वस्थ रहे।

नामांकन के दूसरे दिन 62-संत कबीर नगर संसदीय लोकसभा क्षेत्र हेतु 09 व्यक्तियों द्वारा कुल 16 सेटों में नामांकन पत्र प्राप्त किये गये

संतकबीरनगर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में 62-संत कबीर नगर संसदीय लोकसभा क्षेत्र हेतु नामांकन के दूसरे दिन रिटर्निंग आफिसर/जिला मजिस्ट्रेट महेन्द्र सिंह तंवर की उपस्थित में 09 व्यक्तियों द्वारा कुल 16 सेट में नामांकन पत्र प्राप्त किया गया। नामांकन पत्र प्राप्त करने वालों में निर्दलीय से रमाकान्त पुत्र राममूरत, विपिन मणि त्रिपाठी पुत्र शूम्भ मणि त्रिपाठी, कृष्णमुरारी दूबे पुत्र श्रीराम दूबे, अरूण कुमार यादव पुत्र मिठाई लाल यादव एवं हेमवन्ती निषाद हेतु आनन्द पुत्र सतई प्रसाद ने नामांकन पत्र प्राप्त किया। बहुजन मुक्ति पार्टी से आनन्द कुमार गौतम पुत्र राममिलन, पीस पार्टी (गिरीवर सिंह हेतु) से मारूफ अहमद पुत्र मजहर अली, सबका दल यूनाइटेड(विजय चौहान हेतु) से वीरेन्द्र कुमार पुत्र भागीरथी एवं भारतीय लोकमत राष्ट्रवादी पार्टी से सुभाष चन्द्र पलकधारी तिवारी पुत्र पलकधारी तिवारी ने नामांकन पत्र प्राप्त किया। नामांकन के दूसरे दिन भी किसी भी पार्टी अथवा व्यक्ति द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नही किया गया। नामांकन पत्र प्राप्त किये जाने एवं नामांकन पत्रों को दाखिल/जमा किये जाने की अंतिम तिथि दिनांक 06 मई 2024 सायं 03 बजे तक निर्धारित है। कलेक्ट्रेट परिसर में जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय कक्ष संख्या 03 को नामांकन कक्ष बनाया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मौदहा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के तहत नाबालिग से दुष्कर्म के मुकदमे के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी राम आसरे सरोज ने बताया कि मौदहा पुलिस द्वारा धारा 363, 376 आईपीसी व 4 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रिजवान खां पुत्र सत्तार खां निवासी भवई थाना नरैनी जनपद बांदा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया है।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक हरिद्वार प्रसाद, हेड कांस्टेबल मोक्षेश कुमार शामिल रहे।

जनपद से 46 लोग हज करने जायेगें इस बार टीकाकरण व स्वास्थ्य परीक्षण के साथ दिया गया प्रशिक्षण

मौदहा। जनपद से छियालिस लोग इस वर्ष हज यात्रा में जाएंगे। जिन्हें मौदहा कस्बा स्थित मदरसा यादगार मोहम्मदी हुसैनी में टीकाकरण के साथ मंगलवार की सुबह प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान अस्पताल के चिकित्सा स्टाफ तथा ट्रेनर्स मौजूद रहे।

ट्रेनर्स हाजी मास्टर जहांगीर ने बताया कि इस वर्ष जिले के विभिन्न स्थानों से 46 हज यात्री हज यात्रा को जाएंगे। जिनमें हमीरपुर से दो, मौदहा से 24 तथा राठ क्षेत्र से 20 हज यात्री है मंगलवार की सुबह दस बजे कस्बे के उच्चीकृत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डा. सानिद व डा. शाहिद तथा फार्मासिस्ट अखिलेश सचान की टीम ने हज यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ टीकाकरण और यात्रा के दौरान उनको सावधानियां बरतने की सलाह दी। इस अवसर पर मदरसा हकीम मुस्लिम रहमानिया के अत्ताउल रहमान मौलाना ने कहा कि टीकाकरण हज यात्रियों के लिए आवश्यक है ताकि यात्रा के दौरान थकान महसूस न करें और बीमार न हो। जिससे यात्रा सकुशल संपन्न हो सके। ट्रेनर्स हाजी जहांगीर व बांदा से आए गुलाम मुस्तफा साहब ने हज के दौरान तमाम परेशानियों से बचने के लिए उनके उपाय बताकर हज यात्रा के आसान तरीके समझाये।

नगर पंचायत ने कराया पेयजल संकट का समाधान

भरुआ सुमेरपुर। पेयजल संकट से जूझ रहे वार्ड संख्या 7 के लोगों की शिकायत पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने सरकारी हैंडपंप में सबमर्सिबल लगवाकर समस्या का समाधान कराया है। इससे लोगों में हर्ष व्याप्त है। वार्ड संख्या 7 सुरेंद्र दत्त बाजपेई नगर निवासी साजन यादव, रमेश बाल्मीकि, अशोक धुरिया आदि ने नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे को शिकायती पत्र सौपकर पेयजल समस्या से अवगत कराया था। शिकायत मिलने पर नगर पंचायत अध्यक्ष मौके पर पहुंचे और पड़ोसियों की समस्या को देखकर सरकारी हैंडपंप में सबमर्सिबल पंप लगवाकर समस्या का समाधान कराया है। इससे लोगों में हर्ष व्याप्त है।

जंगल में जाकर मजदूर फांसी पर झूला

हमीरपुर। अज्ञात कारणों के चलते 27 वर्षीय मजदूर ने गांव के जंगल मे जाकर साड़ी से पेड़ के सहारे फांसी लगा अत्महत्या कर ली। मंगलवार को सुबह चरवाहों ने देखा तब गांव में सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। कुरारा थाना क्षेत्र के ग्राम इंद्रपुरी भैरव का डेरा निवासी उमेश 27 वर्ष पुत्र रामचरण गांव में ही रहकर मेहनत मजदूरी करता था। उसने गांव के ही जंगल मे जाकर साड़ी से पेड़ के सहारे फांसी लगा आत्महत्या कर ली। बेरी गांव निवासी मृतक के चाचा रामकरण ने बताया कि उमेश की बीबी संगीता पिछले कुछ दिनों से मायके में थी। मृतक की माँ मूसानगर में अपनी लड़की के पास रह रही थी। मृतक के भाई राजू व जसवंत अपनी पत्नियों के साथ सूरत में रहकर मेहनत मजदूरी करते है। घर में केवल उमेश व उसकी पत्नी संगीता अपनी 3 वर्षीय बेटी व माँ के साथ रहता था।

लाइनमैन के साथ टप्पेबाजी करने वाले दो युवकों को दबोचा पुलिस ने

पुलिस का दावा जल्द होगा खुलासा

भरुआ सुमेरपुर। मरकरी ठीक कराने के बहाने बाइक में बैठाकर संविदा लाइनमैन के साथ टप्पेबाजी करके फरार हुए दो लोगों को पुलिस ने दबोचकर पूछताछ शुरू की है। दोनों फतेहपुर के निवासी बताए जा रहे हैं। सोमवार को दो युवक पावर हाउस के संविदा लाइनमैन लालमन को मरकरी ठीक करने के बहाने बाइक में बैठाकर साथ ले गए थे और रास्ते में उसकी जेब में पड़े 40 हजार रुपये पार कर दिए थे और तपोभूमि के समीप उतारकर फरार हो गए थे। पीड़ित लाइनमैन ने घटना की तहरीर पुलिस को सौंपी थी। पुलिस ने हाइवे पर लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज खंगालने के बाद मंगलवार को दो युवकों को कस्बे से दबोचकर पूछताछ शुरू की है। दोनों युवक फतेहपुर निवासी बताए जा रहे हैं। बताते हैं कि लाइनमैन ने भी इन युवकों की पुष्टि की है। फिलहाल पुलिस कुछ भी बताने से इनकार कर रही है। लेकिन सूत्रों का दावा है कि पुलिस को पूछताछ में कुछ अहम सुराग लगे हैं। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

दलहन की खरीद कमजोर होने पर बना चिंता का विषय

मौदहा। तहसील क्षेत्र को दाल का कटोरा कहे जाने वाले जनपद में अब खरीदारी के नाम पर मात्र 550 कुंतल मसूर की खरीद की गई है। खरीद कम होने से प्रशासन व क्षेत्रवासियों के लिये चिंता का विषय बना हुआ है। मौदहा कस्बे की गल्ला मंडी में दलहन खरीद केंद्र का उद्घाटन दो अप्रैल को किया गया था। इसके बाद हफ्तों केंद्र में सन्नाटा पसरा रहा और अब अप्रैल के अंतिम दिनों में मात्र 550 कुंतल मसूर की खरीद हो पाई है। जबकि चना की खरीद शून्य है। वहीं 15 किसानों से 450 कुंतल सरसों की खरीद की गई है।

देर शाम गुम हुये बच्चे को खोजने में रात भर हलाकान रही पुलिस सुबह मिली सफलता

हमीरपुर। सोमवार देर रात गुमशुदा हुए दो वर्षीय बालक की रातभर खोजबीन के बाद पुलिस ने आखिरकार ग्रामीणों की मदद से सुबह तडके खोज निकाला। मेडिकल परीक्षण में बच्चे को सकुशल पाये जाने पर परिजनों ने राहत महसूस की है। बच्चे को परिजनों के सुपुर्द किया गया है। कुरारा थाना के सिद्ध बाबा का डेरा ग्राम निवासी अनिल श्रीवास का 2 वर्षीय पुत्र अयांश सोमवार शाम करीब 6 बजे घर के बाहर खेलते हुए घर से कुछ दूर पर नाले के पास बबूल के जंगलों में रास्ता भटककर लापता हो गया था। खोजबीन के बाद भी पता न चलने पर देर रात बच्चे के पिता ने पुलिस को खबर दी।

जिस पर मौके पर पंहुची पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से पूरी रात खोजबीन की और सुबह तड़के पुलिस ने बच्चे को सकुशल नाले के पास से बबूल के जंगल से बरामद कर लिया। बच्चे को तुरंत सीएचसी भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने कांटो की खरोचों के अलावा बच्चे को स्वस्थ्य बताया है। बच्चे को उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

रंग रोगन से चकाचक हो रहे स्ट्रांग रूम

हमीरपुर। मंडी खाली होने के बाद स्ट्रांग रूम सहित अन्य चुनावी कार्यों के लिए अधिग्रहित की गई दुकानों को रंगरोगन करके चकाचक बनाया जा रहा है। हमीरपुर एवं राठ सुरक्षित विधानसभा सीट के लिए अलग-अलग स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं। दोनों स्ट्रांग रूम के गोदामों को अंदर बाहर रंग रोगन करके चकाचक किया गया है। चुनाव के अन्य कार्यों के लिए अधिग्रहित की गई दुकानों, बरामदों, नीलामी चबूतरों को भी चकाचक किया जा रहा है। इसके अलावा मंडी के अंदर खराब सड़कों की मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। मुख्य सड़क की मरम्मत का कार्य पूर्ण हो गया है।

जनपद में सम्भावित बाढ़ से बचाव के दृष्टिगत एडीएम की अध्यक्षता में स्टेयरिंग कमेटी की बैठक कर की गयी तैयारियों की समीक्षा

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर के निर्देश के क्रम में अपर जिला मजिस्ट्रेट/अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश की अध्यक्षता में आगामी बरसात के मौसम में सम्भावित बाढ़ एवं बंधो के कटान आदि से बचाव एवं सुरक्षा के दृष्टिगत बाढ़ स्टीयरिंग कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 रामानुज कन्नौजिया उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी ने जनपद में बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील नदियों राप्ती एवं घाघरा के आस-पास के इलाकों में सम्भावित बाढ़ से पूर्व की गयी तैयारियों की गहन समीक्षा करते हुए बंधो, बाढ़ चौकियो, आश्रय स्थलो, बाढ़ के दौरान फैलने वाली संक्रामक बीमारियों आदि के बारे में सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक के दौरान बाढ़ अधिकारी/अधिशाषी अधिकारी ड्रेनेज खण्ड ने सम्भावित बाढ़ से बचाव के दृष्टिगत अब तक की तैयारियों के बारे में अवगत कराया। अपर जिलाधिकारी ने बंधों की मरम्मत आदि को गुणवत्ता सहित अबिलम्ब पूर्ण कर लिये जाने के निर्देश दिये। अपर जिलाधिकारी ने जनपद के तीनों तहसीलो के उप जिलाधिकारीगण को अपने-अपने तहसीलों में बाढ़ से बचाव के दृष्टिगत किये जा रहें प्रबन्धों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण करते रहने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बाढ़ सम्भावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थानीय लोगो से किसी भी सम्भावित समस्या के बारे में पहले से ही जानकारी प्राप्त कर इसका निस्तारण सुनिश्चित करा लिया जाए। अपर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि शत प्रतिशत हैण्ड पम्पो को क्रियाशील रखते हुए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित रखी जाए। उन्होंने बाढ़ के दौरान किसी भी संक्रामक बीमारी को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक और जीवन रक्षक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के सम्बंधित अधिकारी को दिये। अपर जिलाधिकारी ने बाढ़ की सम्भावना से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों विशेष रूप से धनघटा एवं मेंहदावल तहसील में बाढ़ से प्रभावित हो सकने वाले ग्रामीणों एवं उनके पशुओं को बाढ़ के दौरान व्यवस्थित किये जाने हेतु राहत कैम्पों की स्थापना एवं संचालन से सम्बंधित बिन्दुओं की समीक्षा बिन्दुवार सम्बंधित अधिकारियों से उनके जिम्मेदारियों एवं विभागीय कार्यो के विषय में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। राहत कैम्पों की स्थापना एवं संचालन के विषय में अपर जिलाधिकारी ने सम्बंधित उप जिलाधिकारी को राहत शिविरों की स्थापना एवं संचालन से सम्बंधित सभी विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वयता बनाये रखने का निर्देश देते हुए कहा कि चूकि बाढ़ एक आकस्मिक आपदा है इस लिए इसके दुष्प्रभाव से बचने हेतु पहले से ही सभी बिन्दुओं पर सतर्क दृष्टि बनाये रखी जाए। उन्होंने राहत शिविरों में स्वच्छ पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा की व्यवस्था, क्लोरीन की गोली की उपलब्धता आदि से सम्बंधित बिन्दुओं पर सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया। अपर जिलाधिकारी ने बाढ़ की सम्भावना से प्रभावित पशुओं हेतु कैम्प की व्यवस्था के साथ उसका उचित देख-रेख, पशुओं के भूसा चारे की व्यवस्था आदि से सम्बंधित बिन्दुओं पर जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बंधित को निर्देशित किया। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि क्योकि बाढ़ की स्थिति में विभिन्न प्रकार की संक्रमणों आदि की सम्भावना काफी बढ़ जाती है इसलिए इससे बचाव के उपायो को पहले से ही सुनिश्चित कर लिया जाए तथा संक्रामक बीमारी को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक और जीवन रक्षक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। अपर जिलाधिकारी ने नगर पालिका क्षेत्र में बरसात के मौसम में सम्भावित जल जमाव से निपटने के लिए पहले से ही जल निकासी की व्यवस्था एवं नालो की साफ-सफाई दुरूस्त करने के निर्देश सम्बंधित अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को दिये गये। बैठक में इस वर्ष लू प्रकोप (हीट वेव) से बचाव एवं राहत के लिए तैयारी/कार्य योजना बनाये जाने तथा लू के प्रकोप से बचाव हेतु 'क्या करे-क्या न करें' से सम्बंधित जानकारियों का प्रचार-प्रसार करने सहित स्वास्थ्य विभाग, नगर निकाय, श्रम विभाग, पशुपालन, पंचायती राज, वन विभाग, अग्निशमन सहित अन्य सम्बंधित विभाग द्वारा तैयार किये गये कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा करते हुए अपर जिलाधिकारी द्वारा सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सुरेश चन्द्र केसरवानी, डीसी मनरेगा प्रभात द्विवेदी, उप जिलाधिकारी सदर शैलेश दूबे, उप जिलाधिकारी मेंहदावल अरूण वर्मा, उप जिलाधिकारी धनघटा उत्कर्ष श्रीवास्तव, पुलिस क्षेत्राधिकारी केशवनाथ, तहसीलदार सदर जनार्दन, तहसीलदार धनघटा योगेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत रणधीर, जिला पंचायत राज अधिकारी अविनाश कुमार सहित सम्बंधित विभागीय अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

ऋचा चड्ढा ने हीरामंडी के निर्देशक संजय लीला भंसाली के बचाव में कही ये बात

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने शेखर सुमन द्वारा हाल ही में संजय लीला भंसाली की तुलना परफेक्शनिस्ट की गई, जो हमेशा गुस्सैल होते हैं। एक साक्षात्कार में, ऋचा चड्ढा ने ऐसे दावों को व्यक्तिपरक करार दिया, जिसमें अभिनय की मांग वाली प्रकृति और व्यावसायिकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। संजय लीला भंसाली के बचाव में ऋचा चड्ढा ने कही ये बात।

अपने स्पष्ट विचारों के लिए मशहूर ऋचा चड्ढा ने शेखर सुमन की हालिया टिप्पणियों पर आपत्ति जताई, संजय लीला भंसाली की तुलना ‘परफेक्शनिस्ट’ से की गई, जो ‘हमेशा गुस्सैल’ होते हैं। ऐतिहासिक ड्रामा सीरीज़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली ऋचा चड्ढा ने अपने अभिनेताओं के प्रति निर्माता के व्यवहार पर अपने विचार साझा किए हैं। न्यूज 18 शोशा से बात करते हुए, उन्होंने संजय लीला भंसाली का बचाव करती है और कहती है, ‘किसी को स्वभावहीन कहना एक व्यक्तिपरक राय है। आप मुझे मनमौजी कह सकते हैं। मैं अपने मासिक धर्म के दौर में हो सकती हूं और वास्तव में शारीरिक रूप से मनमौजी हो सकती हूं।

ऋचा चड्ढा ने कहा– भंसाली एक कठिन टास्कमास्टर हैं, उचित नहीं है

ऋचा चड्ढा ने बताया, अभिनेता सेट पर सबसे विशेषाधिकार प्राप्त समूह के लोग होते हैं और उनके लिए यह शिकायत करना कि भंसाली एक कठिन टास्कमास्टर हैं, उचित नहीं है। ‘अभिनेता वास्तव में लाड़–प्यार वाले होते हैं। एक बड़े शो में कभी–कभी वे लंबा शॉट नहीं देना चाहते हैं और चाहते हैं कि उनके बॉडी डबल्स अन्य अभिनेताओं को संकेत दें। हो सकता है कि वे स्वयं संकेत देना, गर्म पानी में उतरना और 99 बार लेना न चाहें। लेकिन ये वो चीजें हैं जो एक अभिनेता से पूछी जाती हैं, भले ही वह बीमार हो या बारिश हो’।

चड्ढा का मानना ??है कि भंसाली जैसे निर्देशक का अपने अभिनेताओं को अपना काम लगन से करने के लिए कहना गलत नहीं है और इससे उन्हें एक मुश्किल इंसान नहीं बनना चाहिए। ‘चाहे मुश्किल हो या पानी, हमें डिलीवरी करनी ही होगी क्योंकि पहले से ही तैयार सेट पर 200–400 लोगों का एक समूह हमारा इंतजार कर रहा है और लाइटिंग टीम पहले से ही तैयार है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि किसी अभिनेता के साथ व्यवहार करते समय अमानवीय होने की जरूरत है। लेकिन यह वस्तुतः हमारा काम है। मुझे समझ नहीं आता कि लोग ये बातें क्यों कहते हैं, अभिनेता ने कहा, जो जल्द ही मातृत्व अपनाने जा रहे हैं।

संजय लीला भंसाली के बचाव में ऋचा चड्ढा ने कही ये बात

इस बारे में बात करते हुए कि जिन अभिनेताओं के प्रति हर कोई काफी नरम है उन्हें शिकायत करना कैसे बंद कर देना चाहिए, वह आगे कहती हैं, मैं अब एक अभिनेता और निर्माता भी हूं और मुझे लगता है कि मेरे पास काफी विशेषाधिकार प्राप्त काम है। हम सेट छोड़ने वाले पहले या आखिरी व्यक्ति नहीं हैं। जब भी हम खड़े होते हैं तो कोई आकर हमें बैठने के लिए कुर्सी और पीने के लिए पानी देता है। हमसे लगातार पूछा जाता है, क्या आप आज ठीक महसूस कर रहे हैं? आपका स्वास्थ्य कैसा है? क्या आपको अछी नींद आयी और आपने आराम किया?

वास्तव में, चड्ढा ने हाल ही में कहा था कि वह पुरानी क्लासिक कला रूपों के लिए गहरा प्यार और सम्मान रखने वाली भंसाली के साथ एक गहरा संबंध साझा करती हैं। और उनके जैसा निर्देशक जो दूसरों के लिए मनमौजी है, वह उसके लिए बहुत उच मानक रखने वाला व्यक्ति है। ‘उन पर और उनकी परियोजनाओं पर बहुत सारा पैसा लगा हुआ है। अगर मैं निर्देशक होता तो शायद मेरे भी वही उच मानक होते। जहाज के कैप्टन हैं भंसाली सर. और साथ ही, मुझे लगता है कि वह हमारे मूड के प्रति बहुत दयालु हैं, फुकरे 3 और लव सोनिया अभिनेता का कहना है।

हीरामंडी में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी और संजीदा शेख भी हैं। यह 1 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज के लिए तैयार है।

1998 में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने के बाद फ़रदीन खान ने ढेरों बेहतरीन फिल्मों में काम किया। उस समय फ़रदीन सबसे हैंडसम एक्टर्स में से एक थे ,अपनी शानदार पर्सनालिटी और बेहतरीन एक्टिंग के जरिए उन्होंने लोगो के दिल में अपनी जगह बना ली थी । डेब्यू करने के 12 साल तक फ़रदीन बॉलीवुड में अपने काम का प्रदर्शन करते रहे फिर उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। लेकिन संजय भंसाली की फिल्म हीरामंडी से वे शानदार कमबैक कर रहे हैं साथ कई बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा भी हैं। बड़े परदे में आखिरी बार फ़रदीन 2010 में रिलीज हुई फिल्म ‘दूल्हा मिल गया’ में नजर आए थे , पूरे 14 साल बाद अब बड़े परदे पर उनकी वापसी हो रही है। फिल्मी सितारों के लिए ब्रेक लेना किसी बड़े रिस्क से कम नहीं होता है, अक्सर ब्रेक लेने के बाद ऑडियंस उन सितारों को भूल जाती है और एक्टर्स को भी काम मिलना मुश्किल हो जाता है। अभिनेता फ़रदीन खान ने भी ऐसा ही एक रिस्क 14 साल पहले लिया था। वे कुछ 2–3 साल का ब्रेक लेना चाहते थे, जो देखते ही देखते 14 साल में तब्दील हो गया।अक्सर ऐसा देखा जा चूका है की सितारे जब ब्रेक ले लेते है अपने करियर से, तो उन्हें कमबैक करने में फिर काफी परेशानी होती है , या तो वो उस अंदाज में कमबैक नहीं कर पते या फिर उन्हें वैसी फिल्में नहीं मिलती जिनमे वो अपनी एक्टिंग की कला का प्रदर्शन कर पाए। लेकिन फ़रदीन के लिए ऐसा कुछ भी नहीं है ठीक 2 साल पहले संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज ‘हीरामंडी’ फ़रदीन की झोली में आ गिरी , और इससे अछा कमबैक करने का मौका कहा ही मिल सकता है।फ़रदीन खान ने बताया कि पिछले 14 साल में उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आ गए है । ऑडियंस का फिल्म देखने का नजरिया और फिल्मों को बनने का तरीका दोनों ही बदल गए है। फ़रदीन ने यह भी बोला कि वे अब एक न्यूकमर के जैसे वापसी कर रहे है उसी उत्साह के साथ। अभिनेता ने कहा कि ‘मैं एक्साइटेड और नर्वस दोनों हूँ पर उससे भी यादा मैं उत्सुक हूं, कि अब मेरा काम देखकर डायरेक्टर्स और राइटर्स मुझे किस तरह का रोल ऑफर करेंगे। क्यूंकि ऐसा नहीं होता है कि आप एक लम्बे गैप के बाद भी ऑडियंस को याद रहे और उन्हें पसंद भी आये और आपको काम करने का अवसर मिले। इसके लिए मैं काफी एक्साइटेड हूं। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों खूब सुर्खियों में बने हुए हैं। एक्टर हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म के फेमस शो द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शोश् में बतौर गेस्ट दिखे थे। ऐसे में इस दौरान उन्होंने अपने जिंदगी से जुड़े कई खुलासे किए हैं। एक्टर ने यह भी बताया कि उन्हें अपने बचों से कंप्लेंट हैं। आमिर ने कपिल शर्मा के शो में कहा कि भले ही वह कितने बड़े स्टार क्यों न हो लेकिन उनके बचे उनकी बात कभी भी नहीं सुनते। आमिर ने द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में बचों के बारे में बात करते हुए कहा कि – ‘मेरे बचे मेरी बात ही नहीं सुनते, कभी–कभी मुझे ऐसा लगता है कि हमारी जनरेशन बीच में ही कहीं फंस गई है हम आपने माता–पिता की सुना करते थे ऐसे में लगता था कि बचे बी हमारी बात सुनेंगे हमारा भी समय आएगा जैसा कि रणवीर सिंह ने भी कहा है लेकिन जब हम पेरेंट्स बने तो बचे बदल गए वे हमारी नहीं सुनते पहले हमारे माता–पिता हमें डांट लगाते थे अब हमारे बचे भी वही कर रहे हैं। आगे एक्टर ने कहा कि जब टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले थे तो उन्हें जैकी ने कॉल किया था। उन्होंने कहा था कि–ये मेरा बेटा है एक बार इससे मिल लो और बात कर लो देख लो वो कैसा है। एक्टर ने कहा कि सिर्फजग्गू दा ही नहीं बल्कि इंडस्ट्री के बहुत से लोग उन्हें फोन करते हैं और कहते हैं कि वे उनके बचों से मिलकर उन्हें गाइड कर दें लेकिन बस सिर्फउनके बचे ही उनकी बात नहीं सुनते। एक्टर ने कहा कि जहां एक और दूसरों के बचे उनसे कुछ नई चीजें सीखने की उम्मीद रखते हैं वहीं उनके बचे उनकी सलाह को ही नजरअंदाज कर देते हैं। आमिर ने कहा कि वो कभी भी मेरी सलाह नहीं देते। इसके अलावा एक्टर ने यह भी कहा कि सिर्फउनके बचे ही नहीं बल्कि उनकी बहन फ़रहत और निकहत भी उनकी बात नहीं सुनती। जब वह अपनी बहन फ़रहत को एक्टिंग के लिए कहते हैं तो बेहतरीन कलाकार हैं वो भी उनकी नहीं सुनती हैं।

स्टीरियोटाइप को तोड़ते हुए 60 वर्षीय महिला एलेजेंड्रा मारिसा रोड्रिग्ज ने मिस यूनिवर्स ब्यूनस आयर्स जीत कर रच दिया इतिहास। एलेजेंड्रा एक वकील और एक पत्रकार के साथ साथ अब एक मिस यूनिवर्स भी कहलाएंगी। एलेजेंड्रा ने यह खिताब जीत कर यह साबित कर दिया की सुंदरता और उम्र का आपस में कोई लेना देना नहीं। फर्क जीत या हार से नहीं बल्कि आगे बढ़कर काम में हिस्सा लेने से पढता है। अभी तक यह सारी सिर्फ समाज में कहने वाली बातें थी पर एलेजेंड्रा ने इस बात को साबित कर दिया। यह खिताब जीतकर अब एलेजेंड्रा अर्जेंटीना के लिए मिस यूनिवर्स में हिस्सा लेंगी और अगर इसमें भी वह जीतती है तो वे मिस यूनिवर्स 2024 में अर्जेंटीना को रिप्रेसेंट करेंगी।एलेजेंड्रा मारिसा रोड्रिग्ज ने इस प्रतियोगता में पूरे 34 युवा सुंदरियों को पीछे छोड़ कर यह खिताब अपने नाम किया। एलेजेंड्रा मारिसा ने अपनी जीत के बाद मीडिया से कहा की ‘वे सौंदर्य प्रतियोगिताओ में इस नए पैटर्न का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित है। क्यूंकि सौंदर्य प्रतियोगिताओ ने एक नए पैटर्न का उद्घाटन किया है जिसमें महिलाएं न केवल शारीरक सुंदरता बल्कि मूल्यों को भी दर्शाती है। होला की रिपोर्ट के मुताबिक ,एलेजेंड्रा मारिसा प्रॉफेशन से एक एडवोकेट और पत्रकार है। जो अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स की राजधानी ला प्लाटा की रहने वाली है। अपनी खूबसूरती।,शालीनता और व्यवहार की वजह से उन्होंने इस प्रतियोगिता में जजेस का भी दिल जीत लिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खिताब जीतने से पहले एलेजेंड्रा मारिसा का मानना था की शायद वो इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रतियोगिता के दायरे से बाहर निकल चुकी है। उनकी उम्र 60 साल है, लेकिन प्रतियोगिता के नियमों में बदलाव के बाद एलेजेंड्रा ने पूरे कॉन्फिडेंस के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और खिताब हासिल कर इतिहास रच दिया।

अभिनेत्री निकोल किडमैन को एएफआई लाइफ अचीवमेंट पुरस्कार मिला

एक्वामैन, जस्ट गो विद इट और बैटमैन फॉरएवर सहित अन्य लोकप्रिय फिल्मों में अभिनय कर चुकी हॉलीवुड अभिनेत्री ने अपनी सुंदरता और शानदार अभिनय कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। एक्वामैन, जस्ट गो विद इट और बैटमैन फॉरएवर सहित अन्य लोकप्रिय फिल्मों में अभिनय कर चुकी हॉलीवुड अभिनेत्री ने अपनी सुंदरता और शानदार अभिनय कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। अभिनेत्री को हाल ही में एएफआई लाइफ अचीवमेंट अवॉर्ड मिला। पुरस्कार मिलने के बाद निकोल किडमैन भावुक हो गईं और उन्होंने आभार व्यक्त किया। निकोल किडमैन ने सोशल मीडिया पर स्क्रीन पर अपने नाम की छवि साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ‘दुनिया भर में मिले समर्थन से मैं बहुत प्रभावित हुई हूं, जिसे मैं देख और सुन रही हूं। सम्मानित लोगों के इस शानदार समूह में मुझे शामिल करने के लिए आप सभी और अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट को धन्यवाद – अब चलिए कुछ मज़ा! फैंस ने भी उन्हें इसके लिए बधाई दी। एक यूजर ने लिखा, ‘शानदार – बहुत–बहुत बधाई। बहुत–बहुत बधाई।’ एक अन्य यूजर ने लिखा, ‘काफी योग्य। समय के बारे में!’। ‘बहुत योग्य! प्रैक्टिकल मैजिक दुनिया में मेरी पसंदीदा फिल्म है! मैंने इसे अनगिनत बार देखा है, मुझे यह पसंद है’। निकोल किडमैन ने तस्वीरों का एक और समूह भी साझा किया, जिसमें उन्हें मेरिल स्टीप और रीज़ विदरस्पून सहित अन्य हॉलीवुड हस्तियों के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है। मेरिल स्ट्रीप, किडमैन की ‘द आवर्स’ की सह–कलाकार, जिन्होंने स्ट्रीप को लाइफ अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया था, जिसे उन्होंने 2004 में जीता था, उन्हें लगभग उतनी ही हंसी आई जब, एक नकली–घमंड भरी आवाज में, उन्होंने ‘लगातार बुलाए जाने का सबसे कठिन हिस्सा’ बताया। निकोल किडमैन शाम को पहली बार तब रोईं जब उनके पति और साथी ऑस्ट्रेलियाई गायक कीथ अर्बन ने कहा कि उन्होंने उन्हें दिखाया कि ‘वास्तव में प्यार कैसा दिखता है’ जब 2006 में उनकी शादी के तुरंत बाद मादक द्रव्यों के सेवन की समस्याएं सामने आईं। निकोल किडमैन को हाल ही में लोकप्रिय डीसी फिल्म एक्वामैन एंड द लॉस्ट किंगडम में देखा गया था। उन्होंने एटलाना की भूमिका निभाई। जेम्स वान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जेसन मोमोआ, एम्बर हर्ड, पैट्रिक विल्सन और रान्डेल पार्क भी शामिल थे। यह फिल्म पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी। उनके अन्य उल्लेखनीय कार्यों में प्रैक्टिकल मैजिक, द इनवेज़न, बिफोर आई गो टू स्लीप, पैडिंगटन, क्वीन ऑफ डेजर्ट और स्ट्रेंजरलैंड शामिल हैं। उन्हें अकादमी, बाफ्टा, गोल्डन ग्लोब, प्राइमटाइम एमी और स्क्रीन एक्टर गिल्ड अवार्ड्स सहित कई पुरस्कार मिले हैं।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान

रिंकू बाहर, पंत के साथ सैमसन होंगे दूसरे विकेटकीपर

नई दिल्ली। भारतीय टीम से तीन बड़े चेहरों को बाहर किया गया है, जो हाल फिलहाल में टीम इंडिया का हिस्सा थे। इनमें केएल राहुल के अलावा रिंकू सिंह और शुभमन गिल शामिल हैं। आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया खेलती दिखेगी। वहीं, हार्दिक पांड्या उपकप्तानी करते दिखेंगे। टीम में दो विकेटकीपर शामिल किए गए हैं। इनमें ऋषभ पंत और संजू सैमसन शामिल हैं। वहीं, केएल राहुल को टीम से बाहर कर दिया है। राहुल पिछले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के हिस्सा थे। टी20 विश्व कप की शुरुआत एक जून से वेस्टइंडीज-अमेरिका की सह-मेजबानी में हो रही है, जबकि फाइनल 29 जून को खेला जाएगा। टीम को लेकर कप्तान रोहित शर्मा और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर दो मई को शाम चार बजे मुंबई में बीसीसीआई मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित करेंगे। भारत ने 2007 में जीता था पिछला टी20 विश्व कप भारतीय टीम ने पिछला टी20 विश्व कप 2007 में जीता था। यह इस प्रारूप का पहला संस्करण था। 17 साल से भारत इस ट्रॉफी को जीतने के लिए जूझता रहा है। पिछली बार यानी 2022 में भारत सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 10 विकेट से हार गया था। अब रोहित शर्मा की अगुआई में यह 15 खिलाड़ी 17 साल के टी20 विश्व कप ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने उतरेंगे। भारत ने पिछली बार कोई आईसीसी ट्रॉफी 2013 में जीता था। रोहित एंड कंपनी 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को भी खत्म करना चाहेगी। 2023 में हुए वनडे विश्व कप में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से फाइनल में हार गई थी। शिवम दुबे को रिंकू पर तरजीह भारतीय टीम से तीन बड़े चेहरों को बाहर किया गया है, जो हाल फिलहाल में टीम इंडिया का हिस्सा थे। इनमें केएल राहुल के अलावा रिंकू सिंह और शुभमन गिल शामिल हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने रिंकू और शुभमन को ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा है। रिंकू पर शिवम दुबे को तरजीह दी गई है। काफी पहले से इस बात की चर्चा हो रही थी कि अगर हार्दिक को चुना जाता है तो शिवम-रिंकू में से किसी एक को ही मौका मिलेगा। वहीं, यशस्वी और शुभमन में से किसी एक को मौका देना था। चयनकर्ताओं ने यशस्वी को शुभमन पर तरजीह दी है। युवराज ने भी शिवम का समर्थन किया था भारत को 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जिताने वाले पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी शिवम दुबे को शामिल करने का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि शिवम लंबे-लंबे छक्के लगा रहे हैं और वह अंतर पैदा कर सकते हैं। टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीमरू रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज। विकेटकीपर के तौर पर पंत और सैमसन विकेटकीपर के तौर पर चयनकर्ताओं ने ऋषभ पंत और संजू सैमसन को मौका दिया है। कार दुर्घटना के बाद से वापसी करते हुए पंत ने इस आईपीएल में शानदार फॉर्म दिखाया है। वहीं, सैमसन के प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान की टीम आईपीएल 2024 अंक तालिका में शीर्ष पर है। इसके साथ ही राहुल, जितेश और ईशान जैसे विकेटकीपर्स के बीच दौड़ की कयासों पर भी विराम लग गया। वहीं, दिनेश कार्तिक को भी मौका नहीं दिया गया है। पिछले टी20 विश्व कप 2022 में कार्तिक स्क्वॉड का हिस्सा थे। टीम में सिर्फ तीन तेज गेंदबाज, हार्दिक चौथे विकल्प टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में सिर्फ तीन तेज गेंदबाज हैं। इनमें जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के अलावा अर्शदीप सिंह शामिल हैं। इन तीनों का काफी पहले से चयन तय माना जा रहा था। वहीं, हार्दिक चौथे तेज गेंदबाज के तौर पर विकल्प होंगे। हालांकि, आईपीएल में बतौर गेंदबाज हार्दिक का फॉर्म कुछ खास नहीं रहा है। बल्ले से भी हार्दिक कुछ खास फॉर्म नहीं दिखा पाए हैं। हालांकि, चयनकर्ताओं ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें उपकप्तानी का पद भी दिया है। भारतीय टीम में चार स्पिनर, चहल की वापसी भारतीय टीम में चार स्पिनरों को शामिल किया गया है। कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे, जबकि युजवेंद्र चहल को भी आईपीएल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। वह करीब एक साल बाद अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए पिछला मैच अगस्त 2023 में खेला था। भारत के पास ओपनर के तौर पर दो विकल्प ओपनर के तौर पर रोहित और यशस्वी हैं। हालांकि, रोहित के साथ विराट को भी ओपनिंग का मौका मिल सकता है। इस सीजन आईपीएल में विराट ने बतौर ओपनर शानदार प्रदर्शन किया है। अगर विराट ओपनिंग नहीं करते हैं तो चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते दिखेंगे। तीसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी करते दिखेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि शिवम दुबे को प्लेइंग-11 में जगह मिलती है या फिर बेंच पर बिठाया जाएगा। पांच जून को पहला मैच खेलेगी टीम इंडिया भारतीय टीम अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत पांच जून को आयरलैंड के खिलाफमैच से करेगी। यह मैच न्यूयॉर्क के नसऊ काउंटी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी मैदान पर नौ जून को टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाफ महा मुकाबला खेलेगी। इसके बाद 12 जून को भारत को यूएसए और 15 जून को कनाडा के खिलाफ खेलना है।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने अतीत में गलत प्राथमिकताओं का मुद्दा उठाया

एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि अतीत में केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करने की देश की गलत प्राथमिकता के कारण शायद मौका गंवाया गया और विश्व स्तर पर टीम लगभग निचले स्तर पर है।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि अतीत में केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करने की देश की गलत प्राथमिकता के कारण शायद मौका गंवाया गया और विश्व स्तर पर टीम लगभग निचले स्तर पर है। भारत की फीफा रैंकिंग में इस समय गिरावट आ रही है जिसका कारण एशियाई कप में उसका एक भी मैच नहीं जीतना और उसके बाद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में निचली रैंकिंग वाले अफगानिस्तान से 1-2 से हार है। भारत के पूर्व गोलकीपर चौबे ने 1974 एशियाई युवा चौंपियनशिप में भारत की जीत के 50 साल के जश्न के मौके पर कहा, ''1947 से 1960 तक भारत ने नियमित रूप से चार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया और एशिया की दिग्गज टीम थे। तो भारत कहां पीछे रह गया? 1990 के दशक की शुरुआत में भी, जब मैं खेला करता था तब मुझे याद है कि भारत की रैंकिंग 90 से नीचे थी।'' उन्होंने कहा, ''अगर भारत विश्व कप (1950) में खेलता तो उन्हें शीर्ष रैंकिंग वाले देशों का सामना करना पड़ता और वे पिछड़ते नहीं।'' विश्व कप 1950 में जगह बनाने के बावजूद भारत इसमें क्यों नहीं खेला यह एक विवादास्पद विषय रहा है लेकिन चौबे ने कहा कि उस समय भारत की प्राथमिकता दिल्ली में होने वाले एशियाई खेल (1951) थे जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा, ''मुझे पता चला कि हम इसलिए नहीं खेले क्योंकि भारत 1951 में दिल्ली में एशियाई खेलों की मेजबानी कर रहा था। वे जहाज से तीन महीने की यात्रा नहीं करना चाहते थे और विश्व कप को महत्व नहीं दिया।'' चौबे ने कहा, ''हम शायद 1950-74 तक केवल एशियाई खेलों और ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित करने के कारण चूक गए होंगे।'' उन्होंने दावा किया कि उन दिनों विश्व कप लोकप्रिय नहीं था और 1986 में डिएगो माराडोना को देखने के बाद ही भारत में फुटबॉल की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की लोकप्रियता बढ़ी। चौबे ने कहा, ''अगर मैं गलत नहीं हूं तो 1986 में टेलीविजन पर माराडोना को देखने के बाद ही विश्व कप लोकप्रिय हुआ। तब तक 1970 के दशक का सुनहरा दौर खत्म हो चुका था और हम मौके से चूक गए।'' उन्होंने कहा, ''यह 400 मीटर की दौड़ में पहला लैप चूकने जैसा है। हम शायद तेजी से दौड़ रहे हैं लेकिन 400 मीटर की दौड़ में बाकी लोग एक लैप (100 मीटर) आगे हैं।'' एआईएफएफ प्रमुख ने स्वीकार किया कि भारत को अन्य देशों से आगे निकलने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। चौबे ने कहा, ''इसलिए हमें इसकी भरपाई के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा। कोई जादुई फॉर्मूला नहीं है। यह एक बड़ा देश है और इसमें सुधार की काफी गुंजाइश है।'' उन्होंने कहा कि जागरूकता और नई तकनीक को अपनाकर उम्र में हेराफेरी को रोकना महत्वपूर्ण है। चौबे ने कहा, ''सबसे पहले अधिक उम्र की समस्या से निपटना होगा। हमें उम्र में हेराफेरी को रोकना होगा, यह विज्ञान के माध्यम से या जागरूकता बढ़ाकर हो सकता है। हमें दूसरों को शिक्षित करना होगा। एक टीडब्ल्यू3 मेडिकल परीक्षण भी है जिसे अनिवार्य बनाया जा सकता है।

आखिरी बार खेलते हुए हार के बाद भावुक हुए नडाल

पांच बार के चौम्पियन नडाल को 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने 7 . 5, 6 . 4 से हराया। हार के बाद नडाल ने कहा ,'' यह काफी कठिन दिन है लेकिन यही हकीकत है। मेरा शरीर और जिंदगी काफी समय से संकेत दे रहे हैं। मैं इस कोर्ट को अलविदा कह रहा हूं और मेरे लिये यह बहुत भावुक पल है।

मैड्रिड। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चौम्पियन रफेल नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में मिली हार के बाद भावुक हो गए चूंकि यहां वह आखिरी बार खेल रहे हैं। पांच बार के चौम्पियन नडाल को 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने 7 . 5, 6 . 4 से हराया। हार के बाद नडाल ने कहा ,'' यह काफी कठिन दिन है लेकिन यही हकीकत है। मेरा शरीर और जिंदगी काफी समय से संकेत दे रहे हैं। मैं इस कोर्ट को अलविदा कह रहा हूं और मेरे लिये यह बहुत भावुक पल है। यहां की यादें सदैव मेरे साथ रहेंगी।'' नडाल के हमवतन स्पेन के ही कार्लोस अल्काराज तीन घंटे तक चले मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6 . 3, 6 . 7, 7 . 6 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने 16वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव को 5 . 7, 6 . 3, 6 . 3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदव ने अलेक्जेंडर बुबलिक को 7 . 6, 6 . 4 से हराया। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने बीट्रिज हदाद माइया को 4 . 6, 6 . 0, 6 . 2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना अमेरिका की 18वीं वरीयता प्राप्त मेडिसन कीस से होगा जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर को 0 . 6, 7 . 5, 6 . 1 से हराया।

चीन ने भारतीय महिला टीम को 5-0 से हराया

युवा सनसनी अनमोल खरब को टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा जबकि भारत की कमजोर महिला टीम को मंगलवार को उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके भारत ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चौंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत पहले ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। चीन के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि भारतीय खिलाड़ी पांच मैचों में एक भी गेम नहीं जीत सके। भारत की मुसीबत उस समय और बढ़ गई जब 17 साल की अनमोल को दूसरे एकल मुकाबले के दौरान टखना मुड़ने के कारण मैच के बीच से हटना पड़ा। ओलंपिक चौंपियन और दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चेन यूफेई ने 83वें नंबर की इशारानी बरूआ के खिलाफ महिला एकल में 21-12 21-10 की आसान जीत के साथ चीन को 1-0 की बढ़त दिलाई। इशारानी ने मैच के बाद कहा, ''मैं अपने खेल को लेकर थोड़ी निराश हूं क्योंकि मैंने काफी गलतियां की। मैंने सोचा था कि मैं उसके खिलाफ अच्छा खेलूंगी लेकिन यह उसके लिए आसान जीत रही। वह काफी तेज खेल रही थी और मुझे भी अपनी गति में इजाफ करना पड़ा।'' प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की राष्ट्रीय चौंपियन और दुनिया की 67वें नंबर की जोड़ी के पास चेन किंग चेन और जिया यी फेन की चीन की गत विश्व चौंपियन जोड़ी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने 21-13 21-12 की जीत के साथ टीम को 2-0 से आगे किया। हेन युई के खिलाफ अनमोल ने पहला गेम 9-21 से गंवाया और दूसरे गेम में वह जब 1-4 से पीछे थी।

मजदूर एकता जिन्दाबाद ! भारतीय जनता - जिन्दाबाद !! जय जवान, जय किसान !!!

राष्ट्रीय तीसरा विकल्प पार्टी
(गरीबों, मजदूरों, किसानों, शोषितों के लिए गठित दल)
राष्ट्रीय मुख्यालय : न्यू गड़ौरा, बेहसा, शहीदपथ, कानपुर रोड, लखनऊ

मा. सुरेन्द्र शर्मा
''संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष''

श्री हिमांशू त्रिपाठी
''राष्ट्रीय उपाध्यक्ष'' (एडवोकेट)

श्री भरत व्यास गौतम
''राष्ट्रीय महासचिव''

श्री रजनीश कुमार
''राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष''

भारतीय मजदूर किसान संगठन (राष्ट्रवादी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गांव-गांव जाकर अपनी जनता का हाल देखा और जाना कि कैसे अन्य पुराने राजनैतिक दलों ने 75 वर्षों से लोगों का शोषण किया है? आज गरीब मजदूर किसान नर्कीय जीवन जीने को मजबूर है। मोदी सरकार ने लोगों को आवास व शौचालय दिये परन्तु अनियंत्रित अधिकारियों ने प्रधानों ने जमकर लूट करी, जिससे सुविधायें उचित जगह तक नहीं पहुँच पायीं । उदासीन सरकार के कारण जनता त्रस्त है व त्राहि-त्राहि कर रही है। गरीबों, मजदूरों, किसानों, छात्रों व महिलाओं के विकास के लिए राष्ट्रीय तीसरा विकल्प अति आवश्यक होगा ।

SPORTS न्यूज़

जल्द होगा ऐलान.. टी20 वर्ल्ड कप की टीम के लिए अहमदाबाद में बैठक करेंगे भारतीय सेलेक्टर्स

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीमों के ऐलान का सिलसिल शुरू हो गया है। अब जल्द ही भारतीय फैंस का इतंजार भी खत्म होगा। इंडियन एक्सप्रेस की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक टीम चयन के लिए भारतीय टीम के चीफ सेलेक्टर अजित अगरकर और अन्य सिलेक्टर्स 30 अप्रैल को अहमदाबाद में बैठक करेंगे। टी20 वर्ल्ड कप की घोषणा करने की समय सीा 1 मई है। वहीं इसी कड़ी में न्यूजीलैंड जैसी अन्य बड़ी टीमों ने पहले ही मेगा इवेंट के लिए अपनी टीम की घोषमा कर दी है। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर टीम की घोषणा करने से पहले आज अहमदाबाद में चयन समिति के साथ बैठक करने वाले हैं। इस बैठक के बाद ही बोर्ड टीम का ऐलान करेगा। पिछले कुछ दिनों में अगरकर द्वारा की गई ये दूसरी बैठक थी। इससे पहले वह रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ के साथ दिल्ली में बैठक कर चुके हैं। दरअसल, बीते शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के मैच के दिन अजीत अगरकर दिल्ली पहुंच थे। इस दौरान उन्होंने इस मैच का लुत्फभी उठाया था। इसके बाद रविवार को अजीत अगरकर ने रोहित और राहुल द्रविड़ के साथ दिल्ली में मीटिंग की थी।

मयंक यादव का साथ नहीं छोड़ रही बुरी किस्मत! टी20 वर्ल्ड कप के लिए टिकट कटने से पहले ही बिगड़ गया खेल

मयंक यादव ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए आईपीएल 2024 में अपना डेब्यू किया। पहले दो मैच में ही प्लेयर ऑफ द मैच और अपनी रफ्तार से सबको चौंका दिया। हर कोई उनकी गेंदबाजी का कायल हो गया, उन्होंने लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की। साथ ही इस सीजन में सबसे तेज गेंद फेंकने का कारनामा भी किया। उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में चना जाना करीब-करीब पक्का था, लेकिन इस दौरान उनकी बुरी किस्मत बीच में आ गई। दरअसल, वो आईपीएल के अपने तीसरे मैच में चोटिल हो गए। मयंक ने अपने आईपीएल डेब्यू मैच में ही पेस से बड़े-बड़े बल्लेबाजों के पीते खोल दिए थे। वो सटीक लाइन लेंथ के साथ 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे। क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया था कि वह इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मजबूत दावेदार तक माना जा रहा था। टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेलना असंभव ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, सेलेक्टर्स की मयंक पर नजर थी और उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में जगह भी देने का मन बना लिया था। लेकिन, मयंक की चोट ने सारा खेल खराब कर दिया और बीसीसीआई को अपना प्लान बदलना पड़ा। बता दें कि ये पहली बार नहीं है, जब उन्हें चोट के कारण नुकसान हुआ है बल्कि उनका आईपीएल में डेब्यू 2022 में ही हो जाता लेकिन उस दौरान भी वो चोटिल हो गए थे।

दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच भिड़ंत, यहां देखें प्लेइंग 11

इडन गार्डन्स स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। जहां दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। हालांकि, ये दूसरा मौका है इस सीजन में जब दोनों के बीच भिड़ंत हो रही है। इससे पहले मैच में केकेआर ने डीसी को 106 रन से करारी शिकस्त दी थी। लेकिन इस बार दिल्ली अपना पिछला हिसाब चुकता करना चाहेगी। वहीं पॉइंट्स टेबल की बात करें तो, कोलकाता नाइट राइडर्स 8 मैच में 5 जीत और 3 हार के साथ दूसरे नंबर पर है। उसके पास 10 अंक हैं। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स 10 मैच में 5 जीत और 5 हार के साथ छठवें स्थान पर है। उसके पास भी 10 अंक हैं, लेकिन कम रन रेट के आधार पर वह पीछे है। दोनों टीमों में तुलना की जाए तो कोलकाता दिल्ली के मुकाबले बेहतर टीम है, लेकिन जब दूसरी टीम हावी होकर खेलती है नाइट राइडर्स दवाब में आ जाते हैं। पिछले कुछ मैचों में कोलकाता के साथ यही हुआ। हालांकि, मैरिट पर खेले तो केकेआर दिल्ली को हरा सकती है। लेकिन दिल्ली भी बेहतरीन लय में दिख रही है। दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन कोलकाता नाइट राइडर्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, मिचेल स्टॉर्क, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा, वैभव अरोरा। दिल्ली कैपिटल्स- पृथ्वी शॉ, जेक फ्रेजर, अभिषेक पोरेल, शे होप, ऋषभ पंत (कप्तानधिकेटकीपर), ट्रिस्टन स्ट्रब्स, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, खलील अहमद, रसिख सलाम, लिजाद विलियमसन।

टेस्ट कोच गिलेस्पी ने पाक टीम को दी हिदायत, कहा- वह बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो

पाकिस्तान के नए मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी चाहते हैं कि उनके 'प्रतिभाशाली' खिलाड़ी 'वास्तविक' बने रहें और किसी विशिष्ट पद्धति के अनुरूप अपने खेल में बदलाव नहीं करें। उनका कहना है कि टेस्ट क्रिकेट में आगे बढ़ने के लिए उन्हें केवल सकारात्मक और आक्रामक रहने की जरूरत है। पाकिस्तान ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी को पुरुष टेस्ट टीम का कोच नियुक्त किया जबकि सफेद गेंद के प्रारूप में कोच की भूमिका दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को सौंपी गई है जिनके मार्गदर्शन में 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था। वर्ष 2014 और 2015 में यॉर्कशर को काउंटी चौंपियनशिप खिताब दिलाने वाले 49 वर्षीय गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। पीसीबी के पॉडकास्ट में गिलेस्पी के हवाले से कहा गया, ''मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो, मेरे लिए, यह महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो!'' उन्होंने कहा, ''आप इसे कैसे करते हैं इसे लेकर आपको वास्तविक होने की जरूरत है। मैं वहां जाकर कहूंगारू बस सकारात्मक, आक्रामक, मनोरंजक बनें। अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ खेलें और हमारे प्रशंसकों का मनोरंजन करें।'' गिलेस्पी ने कहा, ''ऐसा समय आएगा जब आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और यही टेस्ट क्रिकेट है। यह आपके कौशल, मानसिक क्षमता और धैर्य की परीक्षा है। इसमें ऐसा समय होता है जब आपको आक्रमण करना होता है और कभी कभी विरोधी के दबाव को भी झेलना पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 71 टेस्ट और 97 एकदिवसीय मैचों में क्रमशः 259 और 142 विकेट लेने वाले गिलेस्पी ने कहा कि पाकिस्तान के पास कुशल खिलाड़ी हैं लेकिन निरंतरता एक ऐसी चीज है जिस पर उन्हें काम करने की जरूरत है। गिलेस्पी ने कहा, ''अगर हम जितना संभव हो अपने प्रदर्शन में उतनी निरंतरता ला सकें तो उम्मीद है कि स्कोरबोर्ड पर रन होंगे और हम कुछ जीत हासिल कर सकते हैं। पाकिस्तान को खेलते हुए देखकर मुझे पता है कि वे बहुत प्रतिभाशाली और कुशल खिलाड़ी हैं।'' उन्होंने कहा,''लेकिन कभी-कभी आप कमेंटेटरों को भी प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के बारे में बात करते हुए सुनते हो, पाकिस्तान कैसे प्रदर्शन में अधिक निरंतरता ला सकता है और मैच में लंबे समय तक बने रह सकता है। मैं इस बारे में खिलाड़ियों से बात करूंगा क्योंकि खिलाड़ियों को यह तय करने की जरूरत है कि वे खुद को कैसे देखना चाहते हैं और हम ऐसा कैसे कर सकते हैं।'' गिलेस्पी ने कहा, ''मैं बल्लेबाजी के दृष्टिकोण से प्रतिभाशाली और रोमांचक खिलाड़ियों को देखता हूं। उनमें से कई बहुत अच्छे स्ट्रोक खेलने वाले खिलाड़ी हैं, तकनीकी रूप से बहुत कुशल खिलाड़ी हैं।'' उन्होंने कहा, ''आपके पास ऐसे तेज गेंदबाज हैं जो तेज गति से गेंदबाजी करते हैं और गेंद को स्विंग कराते हैं। आपके पास ऐसे स्पिनर हैं जो गेंद को तेजी से स्पिन कराते हैं। मेरे लिए ऐसी टेस्ट टीम का होना काफी रोमांचक है जिसके पास ये सभी संसाधन हैं।

इरफान पठान का फूटा गुस्सा, कहा- टीम इंडिया में सेलेक्शन आईपीएल से हो रहा, हमारे समय में घरेलू क्रिकेट से होता था

पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल की शुरुआत के बाद से भारतीय क्रिकेट परिदृश्य में हुए अहम बदलावों पर प्रकाश डाला है। 2003 में भारत के लिए डेब्यू करने वाले पठान के मुताबिक, आईपीएल से पहले, खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में जाने के लिए रणजी ट्रॉफी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।